दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-112 | सीहोर, बुधवार 17 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

एयरपोर्ट के आसपास शहरी निर्माण को नियंत्रण करने संबंधी याचिका, सुको ने सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एयरपोर्ट के आसपास शहरी निर्माण को नियंत्रण करने के लिए विनियमन या नियम (रेगुलेशन) की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने पिछले साल अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया प्लेन क्रैश का जिक्र किया, जिसमें 241 लोग और एक मेडिकल कॉलेज के 19 डॉक्टर और छात्र मारे गए थे. यह प्लेन क्रैश उसी जगह पर हुआ था. यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी मोहना की बेंच के सामने आया. शुरुआत में, बेंच ने कहा कि वह वकील लक्ष्मीकांत मतदान शुक्ला के जरिए शकील शेख की फाइल की गई याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार नहीं है. वकील ने बेंच से केंद्र और दूसरे संबंधित विभाग को एयरपोर्ट और उसके आसपास शहरी निर्माण को कंट्रोल करने वाले रेगुलेशन बनाने का निर्देश देने की अपील

की. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह मामला नीति से जुड़ा है.याचिकाकर्ता की ओर से पेश शुक्ला ने कहा कि देश भर के एयरपोर्ट और उसके आसपास इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए खतरे मौजूद हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहरी निर्माण के विकास को नियंत्रण करने के लिए कोई नियम मौजूद नहीं है.वकील ने पिछले साल 12 जून को हुए एयर इंडिया एआई171 क्रैश का जिक्र किया, जिसमें कुल 260 लोग मारे गए थे. उन्होंने कहा कि बीजे मेडिकल कॉलेज के 19 डॉक्टरों और छात्रों की जान चली गई क्योंकि यह प्रभाव बिंदु था.बेंच ने वकील को साफ कर दिया कि वह याचिका पर विचार नहीं करना चाहती क्योंकि यह पूरी तरह से नीतिगत मामला है. बेंच ने उनसे पूछा कि क्या वह याचिका वापस लेना चाहेंगे. शुक्ला याचिका वापस लेने के लिए मान गए, जिसके बाद बेंच ने याचिका को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया.एयर इंडिया का बोइंग 787-8 या ड्रीमलाइनर, जिसका रजिस्ट्रेशन वीटी-एएनबी था, 12 जून 2025 को लंदन जा रहा था. विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गया. इस विमान हादसे विमान में सवार 241 लोग मारे गए. वहीं, इस हादसे में 19 लोग जमीन पर मारे गए।

तिरुनेलवेली में 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा से पहले, मदुरै से तिरुनेलवेली तक प्रश्न-पत्रों को सुरक्षित रूप से ले जाने की तैयारियों के तहत, भारतीय सेना का एक हेलिकॉप्टर तिरुनेलवेली आर्म्ड रिज़र्व ग्राउंड पर लैंडिंग का अभ्यास कर रहा है।

बिजली के खंभे पर गुप्त कैमरे से सेना, सुरक्षा एजेंसियों के मूवमेंट पर रखी जा रही थी नजर

पुलिस और इंटेलिजेंस की टीम ने जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश कर दो को किया गिरफ्तार

बठिंडा,(ए.)। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक बेहद गंभीर मामले में बठिंडा पुलिस और काउंटर इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम ने जासूसी नेटवर्क का

पर्दाफाश कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि बठिंडा-मलोट रोड पर बिजली के खंभे पर गुप्त रूप से सोलर पावर आधारित कैमरा लगाकर सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी और उसकी फुटेज पाकिस्तान और कनाडा में बैठे देश विरोधी तत्वों को पहुंचाई जा रही थी। पुलिस के मुताबिक थाना थर्मल बठिंडा में 9 जून 2026 को एफआईआर संख्या 66 दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जांच में सामने आया कि बठिंडा-मलोट नेशनल हाईवे पर अंबुजा फैक्ट्री के सामने सरकारी बिजली के खंभे पर मार्च महीने में सोलर ऊर्जा से संचालित एक कैमरा लगाया गया था।

राजौरी जिले में एलओसी के पास ब्लास्ट, सेना के चार जवान घायल

जम्मू, (आरएनएस)। जम्मू के राजौरी जिले में आज लाइन ऑफ कंट्रोल के पास एक संदिग्ध धमाके में एक जूनियर कमीशन्ड अधिकारी समेत सेना के चार जवान घायल हो गए. एक सैन्य अधिकारी ने बताया कि सेना के 3 जवान और एक जेसीओ घायल हुए हैं.वहीं, रहस्यमयी ब्लास्ट के कारण का पता लगाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि जल्द ही घटना की जानकारी मीडिया के साथ साझा की जाएगी. सेना के अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों की एक टीम एलओसी के नौशेरा सेक्टर के फॉरवर्ड कलाल इलाके में पेट्रोलिंग पर थी, तभी यह घटना हुई.घायल जवानों को आगे के इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया है. जम्मू में रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि घटना की जानकारी जल्द ही मीडिया के साथ शेयर की जाएगी।

बेहतर प्रबंधन और कुशलता से करायें नीट की परीक्षा, कहीं भी न रहे कोई कमीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीट राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इसके लिए सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। बेहतर प्रबंधन एवं कार्य कुशलता से पूरी पारदर्शिता के साथ यह परीक्षा सम्पन्न करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजन में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी या त्रुटि न रहे। परीक्षा कराने में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में नीट (अंडर ग्रेजुएट) परीक्षा-2026 की आगामी रविवार (21 जून) को होने वाली परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। यह परीक्षा प्रदेश के 30 जिलों के 283 परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न कराई जाएगी। नीट परीक्षा की कुल अवधि 'सवा तीन घंटे' की होगी। इस बार सभी परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीट परीक्षा के समन्वयक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केन्द्रों में लगाई जाने वाली बायोमैट्रिक मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर 19 जून को ही परीक्षा केन्द्रों में लगा दिए जाएं और 20 जून को इनका ट्रायल रन भी कर लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून को राष्ट्रपति महोदया का जबलपुर प्रवास प्रस्तावित है। जबलपुर शहर में 24 केंद्रों में नीट परीक्षा होनी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी यातायात का ऐसा प्रबंधन करें कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में सुगमता से पहुंच जायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि नीट परीक्षा के दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में भी होने हैं।

प्रदेश में 18-19 जून तक मानसून की दस्तक के आसार, कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के 18 से 19 जून के बीच प्रवेश करने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग का मानना है कि मानसून के आने के बाद प्रदेश में बारिश की स्थिति में सुधार होगा। फिलहाल जून माह में प्रदेश में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है और कई जिले बारिश के मामले में पीछे चल रहे हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 1 जून से 15 जून तक प्रदेश में औसतन 31.9 मिमी बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन इस अवधि में केवल 22.7 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। इस तरह प्रदेश में सामान्य से 29 प्रतिशत कम

बारिश हुई है। यह वर्षा प्री-मानसून गतिविधियों के कारण दर्ज की गई है। प्रदेश के 55 जिलों में से 35 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। इनमें इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, विदिशा, धार, खरगोन, खंडवा, देवास, बैतूल, भिंड, बुरहानपुर, पन्ना, सागर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, अनूपपुर, रीवा, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ सहित अन्य जिले शामिल हैं।

भारतीयों की मौत का मुद्दा ट्रंप के सामने उठाएं प्रधानमंत्री : प्रियंका गांधी

-तीन भारतीय नाविकों की मौत का मामला उठाने की मांग

नई दिल्ली,(ए.)। कांग्रेस सांसद एवं पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने तीन भारतीय नागरिकों की मौत को लेकर कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने इस मुद्दे (अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत का मामला) को उठाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर हैरानी जाहिर की है कि अभी तक इस मामले पर सरकार ने खुलकर कोई बात ही नहीं की है।

कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, पीएम मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के सामने तीन भारतीय नाविकों की मौत का मामला उठाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह हैरानी की बात है कि जो हो रहा है, उस पर सरकार ने आज तक खुलकर कोई बात ही नहीं की है। यहां प्रियंका गांधी ने कहा, मुझे लगता है कि

प्रधानमंत्री मोदी को निश्चित रूप से यह मुद्दा उठाना चाहिए।

कांग्रेस पार्टी की सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, कि अमेरिका ने एमटी सेटेबेलो जहाज पर हमला करके तीन भारतीय नाविकों की क्रूर हत्या कर दी। अमेरिका जहाज पर हमला करते वक्त यह जानता था कि उसमें भारतीय नाविक सवार हैं, बावजूद इसके उसने हमला किया। इस युद्ध से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन हमारे लोगों की हत्या करने का साहस अमेरिका ने किया है। इससे पूरा देश गमगीन है। उन्होंने सरकार की खामोशी पर सवाल खड़े किए और कहा, सरकार की चुप्पी विफल विदेश नीति का ही उदाहरण है। उन्होंने कहा मोदी सरकार ऐसा कुछ भी नहीं कर पाई और न ही अमेरिका ने ही माफी मांगी या शोक व्यक्त किया, उल्टा उसने हमें ही धमका दिया और हत्याओं को जायज ठहराया। गौरतलब है कि अमेरिका ने बीते 10 जून को पलाऊ के ही ध्वज वाले जहाज सेटेबेलो पर हमला किया था, जिसमें सवार 24 भारतीय नाविकों में से तीन की मौत हो गई थी। इस मामले को इससे पहले भी कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उठाया था और कहा, कि जहाज पर हमला करते समय अमेरिका को पता था कि उसमें भारतीय नाविक सवार हैं, इसके बावजूद उसने हमला किया। अब चूंकि पीएम मोदी की जी7 समिट के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति टंप से मुलाकात होनी है, ऐसे में चारों ओर से इस मामले को उठाने की मांग भी उठ रही है।

केरल में शिगेला से अब 7 साल के बच्चे ने तोड़ा दम, 2 और मौतों से मरने वालों की संख्या हुई 5

केरल,(आरएनएस)। केरल में शिगेला से मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। केरल के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को शिगेला संक्रमण से 2 और मौतों की पुष्टि की, जिससे राज्य में इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 5 हो गई है। केरल का स्वास्थ्य विभाग शिगेला से ग्रसित बीमार लोगों को खास ध्यान रख रही है।

अधिकारियों के अनुसार, मलप्पुरम जिले के पूक्कोट्टूर के रहने वाले 7 वर्षीय अर्जव ने कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

अभिषेक बनर्जी से सीआईडी की साढ़े 6 घंटे मैराथन पूछताछ

भवानी भवन से सीधे ममता बनर्जी के घर पहुंचे

कोलकाता,(आरएनएस)। बंगाल में चौबीस घंटे के भीतर तृणमूल कांग्रेस के अखिल भारतीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक

बनर्जी को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी जांच एजेंसियों की मैराथन पूछताछ का सामना करना पड़ा है। सोमवार को शिक्षक भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की लंबी पूछताछ के बाद, मंगलवार को चुनाव के दौरान कथित भड़काऊ टिप्पणी करने के मामले में राज्य सीआईडी ने उनसे करीब साढ़े छह घंटे तक सघन पूछताछ की। मंगलवार शाम ठीक 6 बजकर 25 मिनट पर कोलकाता के भवानी भवन (सीआईडी मुख्यालय) से बाहर निकलने के बाद अभिषेक बनर्जी किसी से बात किए बिना सीधे कालीघाट स्थित मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के लिए रवाना हो गए, जहां वे पार्टी की एक महत्वपूर्ण और आपात बैठक में शामिल हुए।

दीपके ने कहा- मुझ पर हमला करने वाले संघ के लोग थे

के साथ कथित तौर पर मारपीट की।

दीपके ने कहा, हम अपने मुद्दों से नहीं भटकेंगे। जितना चाहो हम पर हमला कर लो। हम शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे और अपने मुख्य मुद्दे से नहीं हटेंगे, जो एक करोड़ से अधिक छात्रों के साथ हो रहे अन्याय से जुड़ा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, इस तरह के हमले होते रहेंगे, लेकिन मैं डरने वाला नहीं हूं। हम महात्मा गांधी और आंबेडकर के मार्ग पर चलते हैं।

जयपुर में हुए हमले के बाद मचा घमासान

नागपुर(ए)। बेहद कम समय में पूरे देश में पहचान बना चुके कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके पर जयपुर में प्रदर्शन के दौरान हमला हुआ था। इसके ठीक दूसरे दिन मतलब मंगलवार को दीपके ने कहा है कि अभी तक जो जानकारी मिल रही है उसके मुताबिक हमला करने और करवाने वाले कोई और नहीं आरएसएस के लोग थे। नागपुर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि यह हमला नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट पेपर लीक जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाने और छात्रों की आवाज को दबाने की एक सोची-समझी कोशिश है। अभिजीत दीपके मंगलवार सुबह नागपुर पहुंचे, जहां सीजेपी द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर संविधान चौक पर एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। इससे पहले जयपुर में सोमवार को एक विरोध प्रदर्शन के दौरान दो लोगों ने दीपके

मानसून के बीच बढ़ेगा संकटः 70 करोड़ लोग झेल सकते हैं मुश्किल हालात

नई दिल्ली,(आरएनएस)। जलवायु परिवर्तन के गंभीर प्रभावों के चलते भारत में भविष्य का मानसून भी अब गर्मियों की तपती लू जितना ही जानलेवा साबित हो सकता है। आईआईटी गांधीनगर के नेतृत्व में किए गए एक हालिया शोध से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यदि वैश्विक तापमान औद्योगिक काल से पहले के स्तर की तुलना में 2 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है, तो देश का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा मानसून के महीनों में ऐसी भीषण गर्मी और उमस की चपेट में आ जाएगा, जहाँ इंसान का शरीर पसीने के माध्यम से भी खुद को ठंडा नहीं रख पाएगा। इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने जिस सबसे खतरनाक स्थिति की ओर इशारा किया है, उसे वैज्ञानिक भाषा में अनकम्पेन्सेबल हीट स्ट्रेस कहा जाता है। असर: यह एक ऐसी स्थिति है जब वायुमंडल में तापमान और नमी (उमस) का ग्राफ इतना ऊपर चला जाता है कि इंसान के शरीर की नेचुरल कूलिंग सिस्टम (प्राकृतिक शीतलन प्रणाली) पूरी तरह फेल हो जाती है। नतीजा: सामान्यत: हमारा शरीर तापमान को संतुलित करने के लिए पसीना बहाता है, लेकिन अत्यधिक उमस के कारण पसीना सूख नहीं पाता। ऐसे में शरीर के अंदरूनी अंग उबलने लगते हैं।

राजस्थान में रेत के बवंडर के बाद हुई तेज बारिश

-यूपी में ऑटो पर गिरा पेड़ युवती की मौत

-4 जून से 15 जून के बीच देश में 19.2 मिमी बारिश हुई दर्ज जो 64 फीसदी कम

नई दिल्ली,(ए.)। देश के 9 राज्यों में प्री-मानसून सक्रिय है। राजस्थान के चूरू, झुंझुनू और सीकर में सोमवार दोपहर रेत का बवंडर उठा। चुरू में कुछ

देर के लिए दिन में अंधेरे छा गया। कोटपूतली-बहरोड़ में बवंडर के बाद तेज बारिश हुई जिससे गर्मी में लोगों को राहत मिली। वही यूपी के बदायूं में तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। आंधी में एक बड़ा पेड़ ऑटो पर गिर गया। आटो में युवती की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर गंभीर रुप से घायल हो गया। दिल्ली के कई इलाकों में भी आंधी के साथ बारिश हुई। इस दौरान 92किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चली। खराब मौसम के कारण दिल्ली से 4 फ्लाइट्स को जयपुर डाइवर्ट किया गया।मौसम विभाग के मुताबिक मानसून बिहार, झारखंड और ओडिशा में आगे बढ़ चुका है। हालांकि, दक्षिण भारत से आगे बढ़ने के बाद महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के आसपास रुक गया है। नॉर्थ-ईस्ट में यह यूपी और छत्तीसगढ़ की बॉर्डर पर पहुंच चुका है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 12 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है। देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। 15 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में देश के बड़े हिस्से से मानसूनी बादल गायब दिखाई दिए। मौसम विभाग के मुताबिक 4 जून से 15 जून के बीच देश में 19.2 मिमी बारिश हुई यानी बारिश में 64फीसदी की कमी दर्ज की गई है।अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में पर्याप्त नमी के बावजूद बादल नहीं बन पा रहे हैं। इससे मानसून के आगे बढ़ने पर फिलहाल ब्रेक लग सकता है। हालांकि, अगले कुछ दिनों में इसके आगे बढ़ने की संभावना है।

सबसे पहले मध्यप्रदेश हुआ नक्सलमुक्त, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की प्रशंसा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण को दी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी

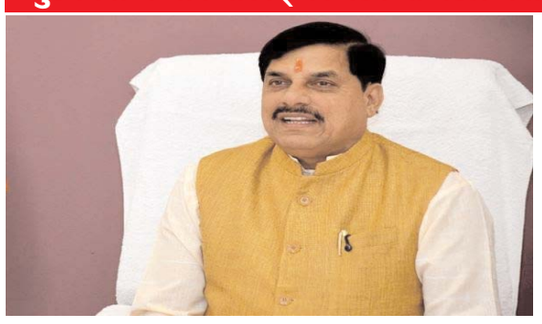

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूरे देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही नक्सलवाद को समाप्त किया है। लाल सलाम को आखिरी सलाम करने में मध्यप्रदेश ने बाजी मारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 जून को नई दिल्ली में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश सरकार के विकास के हर मामले में सदैव अग्रणी रहने की क्रियाशीलता की सराहना की। इस वर्ष बैठक का विषय विकसित भारत @ 2047 के लिये समावेशी मानव विकास था। पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद् की बैठक में भाग लिया। उन्होंने बताया कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों की साझी भागीदारी, समन्वित प्रयासों तथा विकास के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। देश के जो क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां विकास की गति तेज करने पर चर्चा हुई। भविष्य में युवाओं के विकास पर सरकार का विशेष रूप से जोर रहेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मध्यप्रदेश आयुष्मान योजना, नदी जोड़ो परियोजनाओं के क्रियान्वयन, पीएम मित्र पार्क निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह मप्र सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में मिली विशेष उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में हो रहे उच्च कोटि के कामों की भी प्रशंसा की है।

समान नागरिक संहिता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में नीति निर्माण जनसामान्य के सुझावों मांगे जा रहें है। अच्छी नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाये जायें। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। समान नागरिक संहिता की वेबसाइट (ucc.mp.gov.in) पर सुझाव देने की प्रक्रिया भी बहुत सरल है। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण से कहा कि वे अपने-अपने प्रभार के जिलों में समान नागरिक संहिता के संबंध में और उसमें सुझाव देने के लिये अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - स्वस्थ आयु के लिये योग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रदेश में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस को मान्यता दी। विश्व के 190 से अधिक देशों में करोड़ों लोग योग अपना चुके है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ आयु के लिये योग रखी गई है।

त्विषा शर्मा मामले में गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढाने के आदेश

भोपाल (ए.)। नोएडा से भोपाल में ब्याही गई अभिनेत्री एवं मॉडल त्विषा शर्मा की भोपाल स्थित ससुराल में हुई संदिग्ध मौत के बहुचर्चित मामले में जांच अभी निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंची है। मंगलवार को न्यायालय ने मामले के मुख्य आरोपितों मृतका के पति समर्थ सिंह और उनकी मां, पूर्व जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की न्यायिक हिरासत 30 जून तक बढ़ाने के आदेश दिए। दोनों आरोपितों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शोभना भलावे की अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी और बचाव पक्ष की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने हिरासत अवधि बढ़ाने का निर्णय सुनाया। गौरतलब है कि इससे पहले 2 जून को हुई सुनवाई में अदालत ने दोनों आरोपितों को 16 जून तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजा था। निर्धारित अवधि समाप्त होने पर मंगलवार को मामले की दोबारा सुनवाई की गई। मामले की जांच कर रही सीबीआई की ओर से अदालत में हिरासत बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण कारण प्रस्तुत किए गए। अधिवक्ता अनुराग श्रीवास्तव के अनुसार, एजेंसी ने बताया कि त्विषा शर्मा के दोबारा कराए गए पोस्टमार्टम की विस्तृत फोरेंसिक रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है, जो जांच का अहम हिस्सा है। इसके अलावा सीबीआई ने कोर्ट को अवगत कराया कि प्रकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण गवाहों के बयान अभी दर्ज किए जाने बाकी हैं। जांच एजेंसी ने यह भी बताया कि मृतका और आरोपितों के सोशल मीडिया अकाउंट्स, आपसी चैट, डिजिटल संवाद तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक और तकनीकी जांच अभी जारी है।

श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री श्री पटेल

श्रमिकों के बच्चों के लिए मेधा छात्र उन्नयन छात्रवृत्ति योजना प्रारंभ करने का निर्णय

भोपाल (ए.)। श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रमिक कल्याण से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने यह निर्देश मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल तथा मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। नई श्रम संहिताएं श्रमिकों को नया संरक्षण प्रदान करते हुए उनके कल्याण के लिए संचालित व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप श्रम कल्याण संबंधी प्रावधानों को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जाए, जिससे कर्मचारी और नियोक्ता के मध्य बेहतर संबंध स्थापित हों और औद्योगिक विकास को गति मिले।

श्रम मंत्री श्री पटेल की पहल पर श्रमिकों के बच्चों के लिए मेधा छात्र उन्नयन छात्रवृत्ति योजना। प्रारंभ करने का बड़ा निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश और सीबीएसई बोर्ड में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले 100 मेधावी विद्यार्थियों को 7,500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा, श्रमिकों को स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए प्रदेश के 422 संस्थानों में योग गतिविधियां चलाई जा रही हैं। बुरहानपुर और नरसिंहपुर में आदर्श श्रम कल्याण केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जबकि इंदौर और ग्वालियर में भी ऐसे केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। बैठक में जानकारी दी गई कि नई श्रम संहिताओं (वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं नियम-2026) के माध्यम से श्रमिकों को अधिक सुरक्षा और सुविधाएं मिलेंगी। इसके तहत न्यूनतम वेतन का दायरा सभी वर्गों तक बढ़ाया गया है, मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह सुनिश्चित किया गया है तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही, असंगठित श्रमिकों के उपचार के लिए शीघ्र ही एक नई स्वास्थ्य सहायता योजना शुरू की जाएगी और पंजीकृत श्रमिकों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जयपुर-भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस का खातीपुरा तक विस्तार, 20 जून से मिलेगी नई सुविधा

भोपाल (ए.)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेलवे पर संचालित गाड़ी संख्या 19711/19712 जयपुर-भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस का विस्तार खातीपुरा रेलवे स्टेशन तक करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 20 जून 2026 से प्रभावी होगी। जयपुर और भोपाल के मध्य ट्रेन की वर्तमान समय-सारिणी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

विस्तारित समय-सारिणी

गाड़ी संख्या 19711 खातीपुरा-भोपाल एक्सप्रेस

20 जून 2026 से प्रतिदिन खातीपुरा स्टेशन से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गाँधी नगर जयपुर स्टेशन पर 17:48/17:51 बजे, जयपुर स्टेशन पर 18:10/18:20 बजे रुकते हुए निर्धारित मार्ग से होकर अगले दिन 11:20 बजे भोपाल पहुँचेगी।

गाड़ी संख्या 19712 भोपाल-खातीपुरा एक्सप्रेस

19 जून 2026 से प्रतिदिन भोपाल स्टेशन से 16:30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन जयपुर स्टेशन पर 09:45/09:55 बजे, गाँधी नगर जयपुर स्टेशन पर 10:06/10:09 बजे ठहराव के बाद 10:35 बजे खातीपुरा पहुँचेगी। यात्री विस्तारित ट्रेन सेवा की अधिक जानकारी रेलवे स्टेशन पूछताछ केंद्र, रेल मदद 139 तथा एनटीईएस के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धेय चित्तरंजन दास की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महान स्वतंत्रता सेनानी और देशबंधु के नाम से सुप्रसिद्ध श्रद्धेय चित्तरंजन दास की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व. श्री चित्तरंजन दास ने अपना जीवन देश की आजादी और गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। राष्ट्र निर्माण के लिए उनका त्याग और स्वराज को लेकर उनके विचार सदैव अनुकरणीय रहेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डॉ. अलका गुप्ता के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल (ए.)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर की प्राचार्य डॉ. अलका गुप्ता के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अलका गुप्ता का निधन दंत चिकित्सा शिक्षा जगत एवं प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। अपने कार्यकाल में उन्होंने महाविद्यालय के विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार, नवीन भवन निर्माण एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय में सीटों की संख्या 40-50 से बढ़ाकर 100 किए जाने जैसे ऐतिहासिक कार्य हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि डॉ. गुप्ता का शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों एवं सहयोगियों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 20 जुलाई से, अधिसूचना जारी

भोपाल(ए)। मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार, 20 जुलाई से शुरू होगा। यह पांच दिवसीय सत्र 24 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा मंगलवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल द्वारा अनुमोदित तदाशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र होगा।जारी अधिसूचना के अनुसार, मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का एकादश सत्र सोमवार, 20 जुलाई से आरंभ होकर शुक्रवार, 24 जुलाई तक चलेगा। इस पांच दिवसीय सत्र में महत्वपूर्ण शासकीय कार्य संपादित किए जाएंगे। इसके लिए विधानसभा सचिवालय में अशासकीय विधेयकों की सूचनाएं 24 जून, 2026 तथा अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं 9 जुलाई,2026 तक प्राप्त की जाएंगी, जबकि स्थगन प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण, नियम 267 - क के अधीन सूचनाएं विधानसभा में 14 जुलाई ,2026 से कार्यालय में पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 4:00 तक प्राप्त की जाएंगी।मप्र सरकार ने मानसून सत्र को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। इस सत्र में राज्य सरकार अपना पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी, साथ ही कई विधेयक भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

नीट (UG) परीक्षा-2026 की सुरक्षा एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर तैयारियों की व्यापक समीक्षा

डीजीपी ने सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर तैयारियों की समीक्षा की, प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था के दिए निर्देश

भोपाल (ए.)। प्रदेश में 21 जून 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) के सुरक्षित, पारदर्शी एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने सभी पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा से संबंधित संपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था, अंतर-विभागीय समन्वय, साइबर निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा तथा परीक्षा केंद्रों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि परीक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रश्नपत्रों के प्राप्त होने से लेकर उनके सुरक्षित भंडारण, परीक्षा केंद्रों तक परिवहन, परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तर पुस्तिकाओं एवं

सामग्री की सुरक्षित वापसी तक संपूर्ण प्रक्रिया को पूर्णत: सुरक्षित एवं त्रुटिरहित बनाए रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या सुरक्षा में चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि परीक्षा की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी जिलों में पुलिस, जिला प्रशासन, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA), शिक्षा विभाग, बैंकिंग संस्थाओं तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पुलिस अधीक्षक 20 जून तक परीक्षा केंद्रों, प्रश्नपत्र भंडारण स्थलों एवं संबंधित बैंकों का स्वयं निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का परीक्षण करें। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (DFMD), सुरक्षा बलों की तैनाती तथा अभ्यर्थियों की प्रवेश व्यवस्था का विशेष रूप से परीक्षण किया जाए। डीजीपी ने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वे व्यक्तिगत रूप से अपने जिले के प्रत्येक परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करें तथा प्रश्न-पत्रों के परिवहन, स्ट्रांग रूम, गोपनीय सामग्री की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया व्यवस्था की समुचित समीक्षा कर सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते

साइबर अपराधों के विरुद्ध 15 दिवसीय Safe Click 2.0 वृहद जनजागरुकता अभियान चलेगा

24 जून से 8 जुलाई तक प्रदेशभर में आयोजित होंगी विभिन्नो गतिविधियां

जनभागीदारी, डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर सतर्कता पर रहेगा विशेष फोकस

भोपाल (ए.)। प्रदेश में साइबर अपराधों की रोकथाम तथा नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 दिवसीय प्रदेशव्यापी साइबर वृहद जन-जागरूकता अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक "Safe Click 2.0" नाम से प्रारंभ किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य साइबर सुरक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग तक साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाना है। पुलिस मुख्यालय में आयोजित बैठक के दौरान पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि इस अभियान को अधिक व्यापक, प्रभावी एवं जनसहभागिता आधारित स्वरूप में संचालित किया जाए। डीजीपी ने कहा कि फरवरी 2025 में संचालित साइबर जागरूकता प्रयासों में सभी इकाइयों द्वारा सराहनीय कार्य किया गया, जिसके परिणामस्वरूप डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों की घटनाओं में कमी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने के लिए जनता को निरंतर जागरूक करना आवश्यक है तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मिलकर इस अभियान को सफल बनाना होगा। अभियान के दौरान प्रदेशभर में विभिन्न स्तरों पर व्यापक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें संस्थागत गतिविधियों के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, शासकीय कार्यालयों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य संस्थानों में साइबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से ग्राम पंचायतों, नगरीय क्षेत्रों, बाजारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नागरिकों को साइबर अपराधों के नए तौर-तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी।

आंगनवाड़ी दीदी के प्रयास से कुपोषण के चक्रव्यूह से बाहर आई मासूम माहिका

आंगनवाड़ी दीदी के प्रयास से कुपोषण के चक्रव्यूह से बाहर आई मासूम माहिका

भोपाल (ए.)। जब सरकारी प्रयास और एक माँ का संकल्प आपस में मिलते हैं, तो कुपोषण जैसी गंभीर चुनौती को भी मात दी जा सकती है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जमीनी प्रयासों और पोषण पखवाड़ा अभियान की सफलता की एक बेहद भावुक और प्रेरक कहानी ग्वालियर जिले से सामने आई है। यहाँ के शहरी परियोजना-01 के अंतर्गत आने वाले पीएचई कॉलोनी (सेक्टर 3, वार्ड 7) आंगनबाड़ी केंद्र की सजगता से सैम (SAM - Severe Acute Malnutrition) यानी गंभीर कुपोषण की शिकार एक मासूम बच्ची अब पूरी तरह स्वस्थ और सामान्य श्रेणी में आ चुकी है। इस सफलता ने न केवल एक परिवार को खुशियाँ लौटाई हैं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए कुपोषण के खिलाफ जंग में एक अनूठा उदाहरण पेश किया है। ग्वालियर की पीएचई कॉलोनी में रहने वाली श्रीमती मोना के घर 14 मार्च 2025 को बेटी माहिका का जन्म हुआ था। जन्म के कुछ महीनों बाद ही माहिका का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा और वह शारीरिक रूप से कमजोर होने लगी। जनवरी 2026 में जब आंगनबाड़ी केंद्र पर उसका वजन और लंबाई मापी गई, तो आंकड़े बेहद चिंताजनक थे। महज 5 किलो 500 ग्राम वजन और 68 सेंटीमीटर लंबाई के साथ माहिका सैम (गंभीर कुपोषण) की श्रेणी में जा चुकी थी। एक माँ के लिए अपनी संतान को इस हालत में देखना किसी

रेल सुरक्षा बल भोपाल मंडल की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ : मिशन संरक्षा, यात्री सुरक्षा एवं मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

भोपाल (निप्र)। रेल यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ), भोपाल मंडल द्वारा 08 जून 2026 से 14 जून 2026 के मध्य चलाए गए विशेष अभियानों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई।

डीआरएम पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ अभिषेक के निर्देशन में संचालित विभिन्न अभियानों के तहत अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए रेलवे एवं यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

मिशन संरक्षा अभियान के तहत ज्वलनशील सामग्री सहित आरोपी गिरफ्तार

रेल सुरक्षा बल, सीआईबी भोपाल द्वारा मिशन संरक्षा के अंतर्गत रेल परिचालन एवं यात्री सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु चलाए गए सुरक्षा एवं सतर्कता जांच अभियान के दौरान 08 जून 2026 को भोपाल स्टेशन पर गाड़ी संख्या 22161 (भोपाल-दमोह राज्यरानी एक्सप्रेस) में एक व्यक्ति के पास से 05 कार्टून में रखे 22 पैकेट ज्वलनशील पटाखे बरामद किए गए। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत

लगभग 33,420 आँकी गई है। जिसे बरामद कर रेल अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के तहत चोरी गया मोबाइल बरामद

यात्रियों के सामान एवं संपत्ति की सुरक्षा के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत 10 जून 2026 को आरपीएफ सीआईबी, भोपाल ने जीआरपी इटारसी के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए यात्री सामान चोरी के मामले का सफल खुलासा किया। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 60,000 मूल्य का चोरी गया मोबाइल फोन बरामद किया गया। बरामदगी के साथ चोरी की संपत्ति शिकायतकर्ता को सुपुर्द कर दी गई।

ऑपरेशन नारकोस के तहत 20 किलो से अधिक गांजा जब्त

मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन नारकोस के अंतर्गत रेल सुरक्षा बल इटारसी एवं सिविल पुलिस थाना पथरोटा द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। दिनांक 11 जून 2026 को ट्रेन संख्या 12409 गोंडवाना एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक महिला एवं दो व्यक्तियों को अवैध मादक पदार्थ (गांजा) के साथ पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से कुल 20 किलो 575 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 4.60 लाख है। जब्त मादक पदार्थ एवं आरोपियों को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई हेतु थाना पथरोटा पुलिस के सुपुर्द किया गया। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि रेल सुरक्षा बल, भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा तथा अपराध एवं तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु निरंतर विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत बनापुरा एवं गंजबासौदा स्टेशनों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित

भोपाल (निप्र)। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत रेलवे कर्मचारियों, पेंशनरों एवं उनके आश्रितों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा जन-जागरूकता के उद्देश्य से विभिन्न स्टेशनों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 16 जून 2026 को उपमंडल चिकित्सालय, पश्चिम मध्य रेलवे, इटारसी की मेडिकल टीम द्वारा बनापुरा रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कुल 40 रेलवे लाभार्थियों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर उपस्थित मरीजों एवं अन्य लोगों को क्षय रोग (टीबी) के लक्षणों, बचाव, समय पर जांच एवं

उपचार के महत्व के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई तथा रोग के प्रति जागरूक किया गया। इसके पूर्व दिनांक 12 जून 2026 को उपमंडल चिकित्सालय, पश्चिम मध्य रेलवे, बीना की मेडिकल टीम द्वारा गंजबासौदा रेलवे स्टेशन पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 53 रेलवे लाभार्थियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान उपस्थित लोगों को विभिन्न रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने में नियमित व्यायाम की भूमिका के बारे में भी जागरूक किया गया। भोपाल मंडल का चिकित्सा विभाग कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए निरंतर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सा शिविर एवं परामर्श सेवाओं का आयोजन कर रहा है। ऐसे कार्यक्रम न केवल रोगों की समय पर पहचान एवं उपचार में सहायक हैं, बल्कि स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष के उपलक्ष्य में विशेष जनसंपर्क अभियान

विधायक सबनानी ने किया नागरिकों से संवाद

भोपाल (संदीप पंडा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विधायक भगवानदास सबनानी ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विशेष जनसंपर्क अभियान के द्वारा क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों से उनके निवास पर भेंट कर, सरकार की उपलब्धियों पर संवाद किया। विधायक द्वारा विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत क्षेत्र के नागरिकों से भेंट की जा रही है और उनके साथ सरकार के कामकाज के बारे में चर्चा कर उनके सुझाव लिए जा रहे हैं। क्षेत्र के माता शबरी मंडल के अंतर्गत आने वाले वरिष्ठ नागरिकों से मिलने विधायक उनके निवास पर गए,विशेष जनसंपर्क के दौरान सीनियर आर्किटेक्ट मनोज मिश्रा, राजपाल सिंह, रिटायर्ड जेल डीजी प्रेमलाल पांडे, राजदीप रेसीडेंसी के अध्यक्ष प्रदीप सहाय, रिटायर्ड एडिशनल एसपी के एल ठाकुर सहित अन्य वरिष्ठ नागरिकों से मिले। मोदी सरकार के सफलतम 12 वर्ष के उपलक्ष्य में प्रतिदिन विधायक द्वारा क्षेत्र के नागरिकों से भेंट एवं संवाद किया जा रहा है। जनसंपर्क के दौरान विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा मंडल अध्यक्ष हेमंत बडगैया मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाडे महामंत्री पंकज त्रिपाठी वरिष्ठ नेता आशुतोष तिवारी मुन्ना पुरी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक ही कमरे में पत्नी और बेटे के साथ सोया था विक्रम, सुबह मिली खून से लथपथ लाश, हत्या की आशंका

उज्जैन (ए.)। जिले के उन्हेल क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव उसके ही घर में मिलने से सनसनी फैल गई। बेड़ावन रोड स्थित नागराज मंदिर के पीछे रहने वाले 35 वर्षीय विक्रम पिता अशोक परिहार के सिर और पैर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस ने प्रथम दृष्टया इसे हत्या का मामला माना है।

आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि विक्रम अपने घर में मृत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि शव पर गंभीर चोटों के निशान हैं। विशेष रूप से सिर पर गहरी चोट मिलने से हत्या की आशंका मजबूत हुई। घटना की जानकारी मिलते ही नागदा सीएसपी, एफएसएल टीम और डॉग स्क्वाड भी मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उन्हेल थाना प्रभारी संतोष चौहान के मुताबिक घटना के समय विक्रम अपनी पत्नी और बेटे के साथ कमरे में सो रहा था, वहीं घर के दूसरे कमरे में उसके पिता मौजूद थे। रात में हुई इस वारदात की भनक किसी को नहीं लगी। सुबह जब मामला सामने आया तो परिवार और आसपास के लोग भी हैरान रह गए।

पुलिस ने मृतक की पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है, वहीं बेटे से भी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच अधिकारियों का कहना है कि पारिवारिक विवाद, आपसी रंजिश और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों और वारदात के घटनाक्रम को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर काम कर रही है।

IAS बनने का सपना अधूरा रह गया; 5 पेज के सुसाइड नोट में बयां किया दर्द, फंदे पर झूल गया PSC अभ्यर्थी

उज्जैन (ए.)। 2027 तक IAS बनना है, तभी दाग हटेगा। सुसाइड नोट की यह आखिरी लाइन लिखकर नलखेड़ा के 27 वर्षीय राहुल सूर्यवंशी ने जिंदगी से हार मान ली। यूपीएससी की तैयारी कर रहा यह होनहार युवक नागझिरी स्थित अपने किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला।

शादी के बाद बढ़ा तनाव

राहुल की शादी 10 फरवरी 2026 को आगर की मन्नत उर्फ कविता से हुई थी। आरोप है कि शादी में दहेज नहीं लेने के बावजूद उसे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। ससुराल पक्ष ने शादी के 10 दिन बाद ही पत्नी को मायके बुला लिया था। इसके बाद कथित रूप से 5 लाख रुपये की मांग की जाने लगी। पुलिस के अनुसार, सुसाइड नोट में राहुल ने लिखा है कि उसकी सास सिद्धिका कामरिया का रोज फोन आता था और वह कहती थी, 'पैसे दो और तलाक लो, वरना पूरे खानदान को दहेज केस में फंसा दूंगी।' राहुल ने 5 पेज के सुसाइड नोट में अपनी पूरी पीड़ा और घटनाक्रम को सिलसिलेवार ढंग से लिखा है।

धमकियों के बीच छूट गई UPSC की तैयारी

लगातार मिल रही कथित धमकियों से राहुल मानसिक रूप से टूट गया था। बताया जा रहा है कि 21 मई को वह यूपीएससी की परीक्षा भी ठीक से नहीं दे पाया। उसके दोस्त सुभाष के अनुसार, राहुल पिछले कुछ दिनों से काफी गुमसुम रहने लगा था। सोमवार दोपहर जब सुभाष उसके कमरे पर पहुंचा, तो राहुल फंदे पर झूलता मिला।

पुलिस ने शुरू की जांच, सुसाइड नोट की होगी पड़ताल

मामले को लेकर टीआई कमल निगवाल ने बताया कि सुसाइड नोट की वैज्ञानिक जांच कराई जाएगी। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

भागीरथपुरा कांड के 6 माह बाद अब बांगड़दा क्षेत्र में दूषित पानी का कहर, दस से ज्यादा लोग बीमार

इंदौर (ए.)। भागीरथपुरा दूषित पेयजल कांड के छह माह बाद शहर के बांगड़दा क्षेत्र के महावीर नगर में दूषित पानी की सप्लाई का मामला सामने आया है। बोरिंग में ड्रेनेज का पानी मिलने से गली के 10 से अधिक लोग उल्टी-दस्त की चपेट में आ गए। लोगों के बीमार पड़ने के बाद मामले का खुलासा हुआ। क्षेत्र के निवासी सार्वजनिक बोरिंग के पानी का उपयोग पेयजल के रूप में करते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले दो-तीन दिनों से पानी में बदबू आ रही थी। शुरुआत में लोगों ने इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन जब एक के बाद एक लोग बीमार होने लगे तो चिंता बढ़ गई।

मामले की जानकारी मिलने पर मंगलवार को नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने पानी के सैंपल लिए और यह पता लगाने की प्रक्रिया शुरू की कि बोरिंग में दूषित पानी किस स्रोत से पहुंच रहा है। इसके साथ ही ड्रेनेज लाइन और आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान भी शुरू किया गया।

बता दें कि बांगड़दा क्षेत्र में कई स्थानों पर नर्मदा जल आपूर्ति लाइन

नहीं पहुंची है। ऐसे में लोग अपनी दैनिक जरूरतों के लिए बोरिंग के पानी पर निर्भर हैं। स्थानीय निवासी सीमा बाई ने बताया कि बोरिंग का पानी देखने में साफ था, लेकिन उसमें लगातार बदबू आ रही थी। इसकी शिकायत जनप्रतिनिधियों से भी की गई थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों के बीमार होने के बाद ही प्रशासन सक्रिय हुआ।

महिलाएं और बच्चे बीमार

दूषित पानी से महावीर नगर की एक गली के कई परिवार प्रभावित हुए हैं। महिलाओं और बच्चों में भी उल्टी-दस्त की शिकायत सामने आई है। हालांकि किसी मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की नौबत नहीं आई। एक युवती जो हाल ही में पुणे गई थी, वह भी बीमार हो गई। प्रभावित लोगों का उपचार डॉक्टरों की टीम द्वारा किया गया। चिकित्सकों के अनुसार कुछ लोगों में उल्टी-दस्त के लक्षण पाए गए थे लेकिन फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है। गौरतलब है कि करीब छह माह पहले इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से एक हजार से अधिक लोग बीमार हो गए थे। उस घटना में 36 लोगों की मौत हुई थी और मामला राजनीतिक स्तर पर भी काफी चर्चाओं में रहा था। महावीर नगर में सामने आए इस नए मामले के बाद स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है।

अपर कलेक्टर कार्यालय में रिश्वतखोरी का खेल, 20 हजार लेते लोकायुक्त के जाल में फंसा रीडर

जबलपुर (ए.)। लोकायुक्त पुलिस ने रिश्वतखोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनादौन अपर कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ रीडर माधव प्रसाद तिवारी को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर लंबित अपील में पक्ष में फैसला करवाने के बदले रिश्वत मांगने का आरोप है।

लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अंजूलता पटले के अनुसार सिवनी जिले की छपारा तहसील के ग्राम गंगादाना निवासी संतोष सिंह सिसोदिया की पैतृक भूमि पर लगे जामुन एवं अन्य पेड़ों को अज्ञात लोगों द्वारा काट दिया गया था। इस

मामले में उन्होंने संबंधित थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद विरोधी पक्ष के खिलाफ एसडीएम कार्यालय में भी शिकायत की गई, लेकिन वहां से निर्णय शिकायतकर्ता के विरुद्ध आया। इस फैसले के खिलाफ संतोष सिंह ने अपर कलेक्टर के समक्ष अपील दायर की थी, जो लंबित थी। आरोप है कि अपर कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ रीडर माधव प्रसाद तिवारी ने लंबित अपील के पक्ष में फैसला कराने के बदले 30 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच 20 हजार रुपये में सौदा तय हुआ। रिश्वत की मांग से परेशान होकर शिकायतकर्ता ने लोकायुक्त से संपर्क किया। जांच के दौरान शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद लोकायुक्त ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई।

उज्जैन से कोटा सिर्फ 55 रुपये में! पहली लोकल ट्रेन शुरू, हर स्टेशन पर रुकेगी; जानिए कितना लगेगा समय?

उज्जैन (ए.)। महाकाल की नगरी उज्जैन से कोटा तक का सफर अब सस्ता और आसान हो गया है। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने उज्जैन-कोटा के बीच पहली मेमू पैसेंजर ट्रेन शुरू कर दी है। यह ट्रेन शामगढ़, चौमहला रूट से होकर चलेगी और रास्ते के सभी छोटे-बड़े स्टेशनों पर रुकेगी।

महंगी एक्सप्रेस ट्रेनों का सस्ता विकल्प बनी मेमू

अभी तक उज्जैन से कोटा के लिए जोधपुर सुपरफास्ट, रणथंभौर और भगत की कोठी जैसी एक्सप्रेस ट्रेनें ही विकल्प थीं। इनका जनरल किराया 105 से 120 रुपये तक था और ये चुनिंदा स्टेशनों पर ही रुकती थीं। नई मेमू ट्रेन का किराया सिर्फ 55 रुपये रखा गया है। भले ही सफर करीब 7 घंटे का होगा, लेकिन यह ट्रेन नागदा, भाटीसुड़ा, पिपलोदा बागला, उन्हेल, पलसोदा, मकड़ावन, असलावदा और नईखेड़ी सहित सभी स्टेशनों पर रुकेगी।

जानिए ट्रेन की पूरी टाइमिंग

61624 कोटा-उज्जैन मेमू : प्रतिदिन सुबह 5:40 बजे कोटा से रवाना होकर दोपहर 12:00 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

61623 उज्जैन-कोटा मेमू : प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे उज्जैन से रवाना होकर शाम 7:05 बजे कोटा पहुंचेगी।

मंदिर के ट्रस्टी पर चौकीदार ने किए 31 वार, आसपास खड़े लोग भी दहशत में रोक न सके

इंदौर (ए.)। इंदौर के अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक ऐतिहासिक मंदिर के बुजुर्ग ट्रस्टी की हत्या कर दी गई है। अन्नपूर्णा इलाके में स्थित करीब 150 साल पुराने मंदिर के ट्रस्टी कैलाश मोदी (उम्र 70 वर्ष) की डंडे से पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस पूरी खौफनाक वारदात में मंदिर के चौकीदार मुकेश शर्मा ने उन पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी चौकीदार को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शराब पीकर मंदिर में विवाद करता था चौकीदार

एसीपी शिवेंदु जोशी से मिली जानकारी के अनुसार, यह दर्दनाक घटना मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे की बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मंदिर का चौकीदार मुकेश शर्मा अत्यधिक शराब पीने का आदी है और वह अक्सर नशे में मंदिर परिसर के भीतर ही लोगों से विवाद करता रहता

था। बुजुर्ग ट्रस्टी कैलाश मोदी उसे पहले भी कई बार इस तरह की हरकतें न करने की समझाइश दे चुके थे। मंगलवार सुबह जब मुकेश एक बार फिर अत्यधिक नशे की हालत में मंदिर पहुंचा तो मोदी ने उसे दोबारा समझाने का प्रयास किया। लेकिन इस बार मुकेश समझाने पर बुरी तरह भड़क गया और उसने मोदी को मारने के लिए पास ही रखा एक मजबूत डंडा उठा लिया। यह देखकर कैलाश मोदी अपनी जान बचाने के लिए वहां से तेजी से भागे, लेकिन थोड़ी ही दूरी पर दौड़कर मुकेश ने उन्हें पकड़ लिया और उन पर डंडे से अंधाधुंध वार करना शुरू कर दिया। लहूलुहान हालत में मोदी किसी तरह अपनी जान बचाने के लिए पास में स्थित एक गुरुद्वारे के भीतर घुस गए, लेकिन आरोपी उसका पीछा करते हुए वहां भी पहुंच गया। उसने गुरुद्वारे के अंदर भी मोदी के सिर पर कई जानलेवा हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के अनुसार आरोपी ने बुजुर्ग मोदी के सिर, हाथ और पैरों पर करीब 31 बार डंडे बरसाए।

सिर में गंभीर चोट आने से इलाज के दौरान तोड़ा दम

हमले के दौरान सिर में गंभीर और बेहद गहरे घाव होने के कारण कैलाश मोदी अत्यधिक खून बह जाने की वजह से मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़े। वहां मौजूद स्थानीय लोग और श्रद्धालु उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उनके सिर के घाव इतने गहरे थे कि डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने बताया कि अत्यधिक चोटों और सिर में अंदरूनी ब्लीडिंग के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका।

व्यापार समाचार

अंतर्राष्ट्रीय दबाव में सोना-चांदी की कीमतों में गिरावट

- सोना 1,52,891 रुपए प्रति 1 ग्राम, चांदी 2,5,46 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के चलते घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार को दोनों धातुओं के वायदा अनुबंध गिरावट के साथ खुले और कारोबार कर रहे थे। खबर लिखे जाने तक सोने में हल्की, लेकिन चांदी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को वायदा बाजार में सोने और चांदी के भाव कमजोर रहे। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 25 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,891 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 15 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 1,52,901 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,916 रुपये था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,53,046 रुपये का उच्च और 1,52,827 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर देखा था। इसी तरह चांदी के जुलाई वायदा अनुबंध की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर यह 1,001 रुपये की बड़ी नरमी के साथ 2,50,457 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह 998 रुपये की गिरावट के साथ 2,50,460 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,51,458 रुपये था। दिन के कारोबार में चांदी ने 2,50,467 रुपये का उच्च और 2,50,001 रुपये का निम्न स्तर दर्ज किया। चांदी ने इस साल 4,20,048 रुपये प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी के वायदा भाव में सुस्ती बरकरार रही।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 544, निफ्टी 135 अंक उछला

मुंबई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। इसी कारण लगातार दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 544.15 अंक बढ़कर 76,808.48 पर और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.25 अंक उछलकर 23,989.15 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 76,846.74 अंक तक पहुंच गया था जबकि निफ्टी भी 24,002.60 के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। वहीं व्यापक कारोबार में निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.40 फीसदी से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी मेटल को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाभ के साथ ही हरे निशान में बंद हुए। वहीं निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में भी 1-2 फीसदी की बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंज्यूमर, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, एचयूएल और ओएनजीसी शामिल रहीं, जबकि हिंडाल्को, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी लाइफ, आइशर मोटर्स और मारुति सुजुकी टॉप के शेयर सबसे अधिक गिरे।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच हुए

सरकार ने डीजल और एटीएफ के निर्यात शुल्क में की बढ़ोतरी, घरेलू ईंधन कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार ने सोमवार को डीजल के निर्यात पर लगने वाले शुल्क में 14 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात शुल्क में 12.5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। हालांकि पेट्रोल के निर्यात शुल्क और घरेलू खपत के लिए पेट्रोल-डीजल पर लगने वाले मौजूदा उत्पाद शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मंगलवार को लागू हो गईं नई दरें

राजस्व विभाग द्वारा जारी आधिकारिक राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, डीजल के निर्यात पर अब 14 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ के निर्यात पर 12.5 रुपये प्रति लीटर शुल्क लगाया जाएगा। संशोधित दरें मंगलवार से प्रभावी होंगी। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच देश में पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्यात को कम करने के उद्देश्य से 27 मार्च से पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (SAED) तथा सड़क एवं अवसंरचना उपकर लागू किया था।

देश में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता

इन शुल्क दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े की जाती है। पिछली बार संशोधन 1 जून से लागू किया गया था। शुल्क दरें अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की औसत कीमतों के आधार पर तय की जाती हैं। इस बीच, पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की

पर्याप्त उपलब्धता है तथा नागरिकों और उद्योगों से ऊर्जा का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने की अपील की है। अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने ऊर्जा संरक्षण पर जोर दिया और बड़े औद्योगिक एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं से अपने उपभोक्ता पंपों के माध्यम से डीजल खरीदने का आग्रह किया, ताकि खुदरा पेट्रोल पंपों पर दबाव कम हो सके।

उन्होंने बताया कि सरकार ने खुदरा पेट्रोल पंपों पर भीड़ और दबाव को कम करने के लिए अस्थायी व्यवस्था लागू की है। शर्मा के अनुसार, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है, रिफाइनरियां अपनी क्षमता के अनुरूप काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि समस्या आपूर्ति की नहीं, बल्कि खपत के स्वरूप में बदलाव की है। मई के दौरान लगभग 42 करोड़ लीटर डीजल, जो पहले थोक अथवा उपभोक्ता पंपों के माध्यम से वितरित होता था, खुदरा आउटलेट्स की ओर शिफ्ट हो गया, जिससे कुछ क्षेत्रों में दबाव बढ़ा।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत विरोधी रुख

यूरोपियन यूनियन और पाकिस्तान के साझा बयान में भारत के नजरिए से कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना स्पष्टत: भारत विरोधी रुख है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पिछले हफ्ते हुई चीन यात्रा के समय जारी साझा बयान में जम्मू-कश्मीर का जिक्र हुआ। चीन ने जम्मू-कश्मीर को इतिहास से जन्मा विवाद कहा। दोनों पक्षों ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और उचित समाधान की बात कही। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि समाधान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों, द्विपक्षीय समझौतों, और संबंधित पक्षों की आकांक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए। स्पष्टत: यह भारत विरोधी बयान था। उचित ही भारत सरकार ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई और कश्मीर संबंधी उन टिप्पणियों को सिरे से ठुकरा दिया।

बहरहाल, अब यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने पाकिस्तान के साथ अपने साझा बयान में जो कहा है, वह चीन की टिप्पणियों से भी आगे जाता मालूम पड़ा है। ईयू की विदेश नीति प्रमुख काया काल्लास की इस्लामाबाद यात्रा के समय जारी वक्तव्य में कहा गया- 'पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे की जानकारी दी। ईयू ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध की जानकारी दी। दोनों पक्षों ने इन टकरावों का संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र के अनुरूप बातचीत एवं कूटनीति से शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया।' स्पष्टत: इस कथन में कई आपत्तिजनक बातें हैं। यूक्रेन युद्ध के साथ कश्मीर का उल्लेख और कश्मीर को अनसुलझा मुद्दा बताना सीधे तौर पर भारत विरोधी रुख है। यहां तक कि चीन ने भी भारत- पाकिस्तान के द्विपक्षीय समझौतों का उल्लेख किया था, जबकि ईयू ने उनकी भी अनदेखी कर दी है।

एक अलग टिप्पणी में काल्लास ने पाकिस्तान को महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय शक्ति बताया। पिछले कई दशकों से भारतीय विदेश नीति का एक प्रमुख उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के संरक्षक पाकिस्तान को अलग-थलग करना रहा है। 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस दिशा में कई अहम कामयाबियां भी मिली थीं। मगर अब पाकिस्तान को क्यों अहमियत एवं अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता मिल रही है, यह कठिन प्रश्न हमारे सामने है। चीन और 57 सदस्यों वाले इस्लामिक सहयोग संगठन का हाथ तो हमेशा पाकिस्तान की पीठ पर रहा है, मगर ईयू और अमेरिका के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भी उसे अहमियत दें, तो क्या इसे भारतीय विदेश नीति की कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाएगा?

राम नाम जपना, पराया माल अपना: अयोध्या में चोरी

दिलीप कुमार पाठक

अयोध्या के राम मंदिर में चोरी हो गई है! जी हां, इस बार चोरों ने भगवान का सोने का मुकुट या गर्भगृह के आभूषण नहीं छुए, बल्कि सीधे श्रद्धालुओं के उस चढ़ावे और दान पर हाथ साफ कर दिया जिसे देश-दुनिया के लोगों ने अपनी अगाध श्रद्धा से अर्पित किया था। मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये गायब होने की इस सनसनीखेज खबर ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर आनन-फानन में एसआईटी का गठन कर दिया गया है। लखनऊ के कमिश्नर की अगुवाई में जांच टीम अयोध्या के कोने-कोने को खंगाल रही है, संदिग्धों से पूछताछ हो रही है और सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लेकिन आइए, पुलिसिया कार्रवाई से हटकर जरा इस सच्चाई को देखना ज़रूरी हो गया है। यह चोरी सिर्फ नोटों की गड्डियों की नहीं है, यह असल में हम इंसानों के भरोसे और हमारी भक्ति की चोरी है। हम अक्सर बड़े चाव से गाते और सुनते हैं कि राम जी की मर्जी के बिना इस दुनिया में एक पत्ता भी नहीं हिलता, लेकिन हैरानी की बात है कि मंदिर के भीतर तीसरी आंख यानी सीसीटीवी कैमरों के कड़े पहरे में, भारी सुरक्षा तंत्र के बीच, करोड़ों रुपये हिल गए, गायब हो गए और वहां मौजूद जिम्मेदार लोगों को भनक तक नहीं लगी। सबसे बड़ा दुर्भाग्य तो उन लोगों पर है जो चौबीसों घंटे राम नाम की माला जपते हैं, दूसरों को ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हैं, पर मौका मिलते ही इस घिनौने खेल में शामिल हो जाते हैं।जांच में पता चला है कि दान की रकम गिनने वाले कुछ सेवादारों के घरों से लाखों का कैश बरामद हुआ है। जो कर्मचारी कुछ महीने

पहले तक बीस-पच्चीस हजार की मामूली नौकरी पर आए थे, वे आज करोड़ों की जमीनों के सौदे कर रहे हैं। इसे ही शायद कलयुग का राम नाम जपना, पराया माल अपना वाला चमत्कार कहते हैं। त्रिलोक के स्वामी की आंखों के सामने ऐसा दुस्साहस करने वालों को भगवान का जरा भी डर नहीं रहा। टीवी चैनलों पर चिल्ला-चिल्लाकर बहसें हो रही हैं कि चोर कौन है? लेकिन कोई यह नहीं पूछ रहा कि जिस पावन मंदिर के नाम पर देश के आम नागरिकों की भावनाओं को जोड़ा गया, वहां पैसे गिनने वाले हाथ इतने अपवित्र कैसे हो गए? क्या उन्हें इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं था कि वे भगवान के घर में ही सेंध लगा रहे हैं? यह पूरी घटना हमारे समाज के उस पाखंड का सजीव आईना है, जहां हम पत्थरों की भव्यता और सोने की चमक में इतने अंधे हो चुके हैं कि धर्म के नाम पर चलने वाली दुकानों को देखना ही नहीं चाहते। हम वीआईपी पास लेकर गर्व से दर्शन तो करते हैं, लेकिन व्यवस्था के भीतर पनप रहे इस सड़ांध पर आंखें मूंद लेते हैं।

अब एसआईटी अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, कुछ मोहरे पकड़े जाएंगे और जेल जाएंगे। लेकिन इस चोरी ने हर उस गरीब और सच्चे भक्त का दिल छलनी कर दिया है, जिसने भूखे पेट रहकर भी अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक रुपया रामलला के चरणों में अर्पित किया था। राम जी तो घट-घट वासी हैं, वे सब देख रहे हैं। वे शायद मन ही मन मुस्कुराते हुए सोच रहे होंगे कि यह इंसान भी कितना अजीब जीव है; मेरे ही नाम पर आलीशान महल बनाता है, पूरी दुनिया से चंदा मांगता है, और फिर मौका मिलते ही मेरी ही जेब काट लेता है।

(चिंतन-मनन) उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी।

अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई।

सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया।

सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को से मिटाया जाता है क्या अंधेरा से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

(विचार मंथन) ट्रंप की हां नेतन्याहू की ना ईरान की वाह-वाह

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच शांतिवार्ता सफल हुई, अब शुक्रवार अर्थात जुम्मे के दिन समझौते पर हस्ताक्षर होने की बात कही जा रही है। इस समझौते को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक सुखद प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वहीं इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू की प्रतिक्रिया इस समझौते को लेकर ना वाली है। जिसके कारण ईरान और अमेरिका के बीच जो समझौता हुआ है उस पर हस्ताक्षर होने के पहले ही विवादों में फंस गया है। ऐसा लगता है अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर इन दिनों शनि, राहु और केतु की क्रुद्ध दृष्टि है, जिसके कारण वह जो सोचते हैं ठीक उसके विपरीत होता है। समय और काल का प्रभाव पूरे ब्रह्मांड में रहता है, यही कारण है दुनिया के सबसे शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका के राष्ट्रपति को यह दिन देखना पड़ रहे हैं। वह ईरान के साथ युद्ध से बाहर निकलने के लिए अभी तक कई प्रयास कर चुके हैं। 40 बार से अधिक दफा झूठ बोल चुके हैं। उसके बाद भी वह इस युद्ध की विभीषिका से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हाल ही में जी7 के सम्मेलन में भी उन्हें अपने सहयोगी देशों से सहयोग नहीं मिला, जिसकी वह आशा करके जी7 के सम्मेलन में गए थे। जिस तरह से निकाह में लड़की से पूछा जाता है कि तुम निकाह के लिए राजी हो या नहीं, इस अवसर पर काजी उपस्थित रहता है लड़की यदि हां कर देती है, इसके बाद काजी साहब निकाह की रस्म अदा करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समझौते पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हां नहीं कर पाए हैं। यही वजह है कि शांति समझौते को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जो प्रयास किए गए थे वह सब निष्फल होते हुए नजर आ रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल स्वतंत्र राष्ट्र है इस पर यह समझौता लागू नहीं किया जा सकता है। इजराइल अमेरिका का गुलाम नहीं है। ऐसा कहकर उन्होंने अपनी तीव्र प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से जाहिर कर दी है।

स्वस्थ भारत, सशक्त भारत-स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

श्रीमती अनुप्रिया पटेल

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है। इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है। यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है। इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति है और इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है।

इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) , यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ ज़रूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी ज़रूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें। यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वाला सतत् विकास का लक्ष्य है, बल्कि सेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है।

भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017), सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है और यह एक सरल लेकिन मज़बूत सोच पर आधारित है -स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए। इसके चार स्तंभ, किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता , उस सोच को वास्तिवकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मज़बूत करते हैं। लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमज़ोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर पर बीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुर्नवास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म इन एएएम के ज़रिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफ़ॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है।

एएएम से जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू) और ज़िला अस्पताल (डीएच) होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला ज़रिया होते हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज़्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की ज़रूरतें पूरी करते हैं।

इस तीन-स्तरीय प्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है। पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168 प्रतिशत बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफ़र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर ज़रूरी बदलाव को दिखाता है। व्यापक स्वास्थ्य पैकेजों की संख्या 6 से बढ़ाकर 12 करना, भारत की बदलती आबादी और बीमारियों के बदलते पैटर्न के हिसाब से उठाया गया एक ज़रूरी कदम है। बढ़ती उम्र की आबादी और गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के बढ़ते मामलों की दोहरी चुनौतियों का सामना करते हुए, इसके दायरे में गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य, बुज़ुर्गों की देखभाल, आपातकालीन सेवाएँ, आँख, कान-नाक-गला (ईएनटी) और मुँह की सेहत के साथ-साथ योग और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं। यह सब उस आबादी की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो भारत अब बन रहा है।

मई 2026 तक, देश भर में 1.8 लाख से ज़्यादा एएएम काम कर रहे हैं, ताकि लोगों को उनके घर के पास स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। इस विस्तार का असर एएएम में 120 करोड़ से ज़्यादा ओपीडी परामर्श, 70 करोड़ से ज़्यादा ईसंजीवनी टेली-परामर्श और अच्छी सेहत व कल्याण को बढ़ावा देने वाले 46.1 करोड़ से ज़्यादा वेलनेस सत्रों में साफ़ दिखता है।

प्राथमिक देखभाल स्तर पर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन और आम कैंसर (जैसे ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर) के लिए आबादी-आधारित स्क्रीनिंग 30 साल से ज़्यादा उम्र के सभी वयस्कों के लिए की जाती है, जिससे बीमारी का जल्दी पता लगाना एक सामान्य प्रक्रिया बन जाती है। यह जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत सेवा वितरण का एक अहम हिस्सा है, जो एनसीडी की रोकथाम को व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल में शामिल करती है। एनसीडी सेवाओं का विस्तार बीमारी का जल्दी पता लगाने, रोकथाम, प्रबंधन और इलाज के लिए एक बहु स्तरीय प्रयास है। समर्पित एनसीडी क्लीनिक, डे-केयर कैंसर केंद्र , तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र और राज्य कैंसर संस्थान, उन्नत ऑन्कोलॉजी सेवाओं को विकेंद्रीकृत करते हैं और विशेषज्ञ देखभाल को मरीज़ के करीब लाते हैं।साथ ही, बचाव से जुड़ी गतिविधियों के लिए होल-ऑफ-गवर्नमेंट दृष्टिकोण अपनाया जाता है। एफएसएसएआई स्वस्थ खान-पान की आदतों को बढ़ावा देता है, फिट इंडिया मूवमेंट शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है और आयुष मंत्रालय योग और कल्याण को आगे बढ़ाता है। लगातार चलने वाले जन-जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य दिवस मनाने जैसे कार्यक्रम इन प्रयासों को और मज़बूत करते हैं। खाने के तेल की खपत को 10 प्रतिशत कम करने की प्रधानमंत्री मोदी की निजी अपील एक सरल लेकिन दमदार सोच को ज़ाहिर करती है कि एनसीडी के ख़िलाफ़ लड़ाई अस्पतालों के साथ-साथ घरों में भी जीती जाती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के विस्तार के लिए, एएएम स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य ऑफिसर्स का एक नया कैडर शुरू किया गया, जिससे क्लीनिकल और जन स्वास्थ्य से जुड़ी विशेषज्ञता समुदायों के और करीब आ गई। यह विस्तार लोगों के घर-द्वार तक भी पहुँचा, जहाँ फ्रंटलाइन नेटवर्क बढ़कर 10 लाख से ज़्यादा आशा (आशा) कार्यकर्ताओं तक पहुँच गया, जिन्होंने समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ा।

विस्तार के साथ-साथ, भारत ने देखभाल के मापदंडों को बदलने की ज़्यादा मुश्किल चुनौती भी स्वीकार की। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक, जो देश में ही विकसित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणीकृत हैं, ने गुणवत्ता को सिर्फ़ एक इच्छा से बदलकर एक जवाबदेही बना दिया। 65,000 से ज़्यादा जन स्वास्थ्य केंद्र, जिनमें 54,926 आयुष्मान आरोग्य मंदिर शामिल हैं, अब एनक्यूएएस द्वारा प्रमाणीकृत हैं। इसके अलावा, आईपीएचएल के लिए लैब मानकों ने व्यवस्था में और मज़बूती और सटीकता लाई है।

मेष राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे जिनसे अच्छा ताल मेल बनेगा। छात्रों को आज किसी प्रैक्टिकल में सहपाठी की मदद मिलेगी, कार्य में आसानी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों का पद बढ़ेगा, लोग आपका सपोर्ट करेंगे। आज आपका स्वास्थ अच्छा रहेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स के व्यापारियों का कारोबार तेजी से आगे बढ़ेगा।

वृष राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। घर के किसी काम को लेकर आप कोई बड़ा फैसला कर सकते हैं। संतान की ओर से आपको अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। पसंदीदा खाना खाने के लिए आप कोई अच्छी डिश आर्डर कर सकते हैं। दफ्तर में कोई उलझा हुआ मामला आज सुलझ सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। परिवार के साथ किसी ट्रिप पर जायेंगे, जहां खूब इंजॉय करेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को सफलता मिलती रहेगी। दाम्पत्य जीवन में चल रही नोक झोंक खत्म होगी, जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत बनेगा। वाहन खरीदने का विचार भाई से करेंगे, लाभदायक जानकारी मिलेगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन मिला जुला रहने वाला है। लवमेट आज घूमने जाने का प्लान बनायेंगे। प्रतियोगी परीक्षा के लिये प्रयासरत छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में आपसी ताल मेल बना रहेगा। स्वास्थ सम्बन्धी समस्या से आज आपको आराम मिलेगा।

सिंह राशि: आपका दिन आपके परिवार वालों के लिए खुशियां लेकर आया है। आज आपको शुभ सन्देश मिल सकता है परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं काम करने में आसानी होगी।

तुला राशि: आज आपका दिन अच्छा बीतेगा। आज किसी बात को सोचकर आपका मन प्रसन्न रहेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखन बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर अफसरों के साथ सद्भाव बनाकर रखेंगे। आपको तरक्की के मौके मिलेंगे ।

वृश्चिक राशि: आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। आज आप किसी खेलकूद में हिस्सा ले सकते हैं। बिजनेस करने वालों को किसी अच्छी कंपनी से जुड़कर बिजनेस को बढ़ाने का सुनहरा मौका मिलेगा। बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ेगी। आप कुछ अनुभवी लोगों से मिलेंगे।

धनु राशि: आज आपके लिए दिन पाज़िटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं । आपका वेतन भी बढ़ सकता है।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन अच्छे पल लेकर आया है। व्यर्थ के कामों में अपना समय बर्बाद न करें। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक शाम का प्रोग्राम बन सकता है। इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

मीन राशि: आज आपका दिन आपके लिए बहुत ही खास होने वाला है। इस राशि के लोगों को अपनी कड़ी मेहनत का पॉजिटिव रिजल्ट मिलेगा। जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढेगा। किसी योजना को शुरू करने के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा है भविष्य में आपको काफी लाभ मिलेगा।

भारत की जैव-विविधता: प्रतिबद्धताएँ और उपलब्धियाँ

कानूनी ढांचे से लेकर स्थानीय कार्रवाई तक

भारत की जैव विविधता का संचालन त्रि स्तरीय संरचना पर आधारित है। इसके तहत यह संरचना जैव विविधता की राष्ट्रीय नीति को राज्य स्तरीय कार्रवाई और स्थानीय स्तर के क्रियान्वयन से जोड़ती है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है जबकि राज्य जैव विविधता बोर्ड और केंद्र शासित प्रदेशों में गठित जैव विविधता परिषद प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर इन्हें निर्देशित करते है। स्थानीय स्तर पर ग्रामीण और शहरी निकायों में गठित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियां लोगों की जैव विविधता रजिस्टर तैयार करती है और सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा देती है। भारत में अभी तक करीब 276653 जैव विविधता कमेटियों का गठन हुआ है.और करीब 272648 जैव विविधता रजिस्टर निर्मित किये गए है जिनमें समूचे देश की अनेक स्थानीय प्रजातियों, पारिस्थितिकी और परंपरागत ज्ञान का दत्तावेजीकरण किया गया है। कुल मिलाकर ये संस्थाएं और इनकी कार्य प्रक्रियाएं हमें वैश्विक स्तर की जैव विविधता के पारिस्थितिकी संतुलन से तालमेल बिठाने में मदद करती है।

एक लचीले भविष्य के लिए प्राकृतिक पूंजी का संरक्षण

जैव-विविधता भारत की पर्यावरणीय और विकास प्राथमिकताओं का केंद्र है। यह खाद्य सुरक्षा, आजीविका, जलवायु लचीलापन और पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करती है। भारत के वन, आर्द्रभूमि, पर्वत, समुद्री तट, मरुस्थल, घास के मैदान और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र विविध प्रजातियों और समुदायों को बनाए रखते हैं। लाखों स्थानीय समुदाय दैनिक जीवन के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। भारत नीतियों, संस्थाओं और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वैश्विक ढांचों के अनुरूप अपनी प्राकृतिक पूंजी और जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं को बनाए रखता रहता है। इन प्रयासों के माध्यम से भारत वैश्विक जैव-विविधता लक्ष्यों में योगदान देता है और राष्ट्रीय व स्थानीय स्तरों पर संरक्षण को मजबूत करता है। भारत का दृष्टिकोण स्थानीय प्रबंधन पर जोर देता है, क्योंकि यह माना जाता है कि समुदाय-नीत कार्रवाई व्यापक जैव-विविधता परिणामों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है।

पिछले दशक में, भारत ने वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास पुनर्स्थापना, प्रजाति पुनर्वास कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर जैव-विविधता संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है। संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, वन्यजीव मॉनिटरिंग को मजबूत करना, अवक्षरित पारिस्थितिकी तंत्रों का पुनर्स्थापन और जैविक संसाधनों के स्थायी उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों ने पारिस्थितिक लचीलापन बढ़ाया है, स्थानीय आजीविका का समर्थन किया है और जैव-विविधता संरक्षण में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। संरक्षण लक्ष्यों को स्थायी विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित करके, भारत भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपने प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित करने और समावेशी व पर्यावरण-जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है।

जैव-विविधता को समझना और उसका महत्व

जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता को संदर्भित करती है, जिसमें पौधे, जानवर, सूक्ष्मजीव और वे पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं जो इसे बनाते हैं। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और परागण, मृदा निर्माण, पोषक चक्र, जल शुद्धिकरण और जलवायु नियमन जैसे प्रमुख पारिस्थितिकी सेवाओं का समर्थन करती है। जैव-विविधता प्राकृतिक तंत्रों को बनाए रखती है जो जीवन को संभव और उत्पादक बनाते हैं।

जैव-विविधता पर्यावरण और मानव समाजों दोनों के स्वास्थ्य के लिए केंद्रित है। व्यावहारिक रूप से, जैव-विविधता वही है जो पारिस्थितिकी तंत्रों को कार्यशील, लचीला और लोगों का समर्थन करने योग्य बनाती है। जैव-विविधता की रक्षा केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि भारत जैसा पारिस्थितिक रूप से विविध देश के लिए एक विकास प्राथमिकता भी है।

क्या आप जानते हैं ?

जीन को वंशागति की मूल इकाई माना जाता है। जीन माता-पिता से संतान को संप्रेषित होते हैं और भौतिक व जैविक लक्षणों को निर्दिष्ट करने के लिए आवश्यक जानकारी रखते हैं। उदाहरण के लिए, रेड एप्पल, ग्रैनी स्मिथ एप्पल और गोल्डन एप्पल सेब के विभिन्न सांख्यिकीय भिन्न हैं।

वहीं, प्रजाति एक जीवों का समूह है जो सफलतापूर्वक प्रजनन करके प्रजनन क्षमता वाली संतति उत्पन्न कर सकते हैं। यह प्रजाति परिभाषा प्रजनन के आधार पर जानवरों, पौधों और जीवन के अन्य रूपों को समूहों में विभाजित करती है। उदाहरण के लिए, बाघ, शेर और गैंडा अलग-अलग जानवर प्रजातियाँ हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ पौधे, जानवर और अन्य जीव, तथा मौसम और परिदृश्य मिलकर जीवन बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित कारक और अजीव कारक दोनों होते हैं। जीवित कारकों में पौधे, जानवर और अन्य जीव शामिल हैं। अजीव कारकों में चट्टानें, तापमान और आर्द्रता शामिल हैं।

पंजाब में भाजपा की सरकार बनने पर मोगा रैली में किया वादा निभाएंगे ग्रह मंत्री अमित शाह : खन्ना

होशियारपुर,(आरएनएस)। पूर्व सांसद अविनाश राय खन्ना ने कहा कि जो कहना वो करके दिखाना भाजपा का काम करने का अंदाज़ है। उन्हने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जो मोगा रैली में पंजाब में नशों को समाप्त करने का जो वादा पंजाब की जनता से किया था वह वादा पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के बाद पहले चरण में ही निभाना शुरू कर दिया जायेगा।

खन्ना ने कहा कि खन्ना ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राज में पंजाब के हालात बढ़ से बदतर होते जा रहे हैं । उन्होंने बताया की पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पंजाबवासियों की सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह से फेल हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहाँ जनता ही भविष्य निर्माता है। खन्ना ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सत्ता पर काबिज होने के लिए पंजाब की जनता के साथ झूठे वादे किये और जनता की वोट की ताकत से मिले सत्ता के 5 वर्ष अपने निजी स्वार्थों की पूर्ती के लिए बर्बाद कर दिए।

खन्ना ने कहा कि पंजाब का भविष्य अब जनता जनार्दन के हाथों में है। उन्होंने पंजाब की जनता से अपील की कि पंजाब में मजबूत कानून व्यवस्था, अमन शांति स्थापित करने और विकास की लहर चलाने के लिए पंजाब में भाजपा को लाएं ताकि पंजाब में भी डबल इंजन सरकार प्रदेश का चहुमुखी विकास करवा सके और पंजाब में कानून व्यवस्था और अमन शान्ति की बहाली हो सके।

मेरे भाई प्रिंस को इन लोगों ने मार डाला, फैजल खान पुलिस को कर रहे गुमराह

-रौशन आनंद ने खान सर और पुलिस पर लगाए आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

पटना,(ए.)। बिहार में कोचिंग विवाद अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जहां राजनीति, पुलिस जांच और रहस्यमयी मौत एक-दूसरे से उलझती नजर आ रही हैं। ज्ञान बिंदु जीएस अकादमी के संचालक रौशन आनंद के छोटे भाई प्रिंस यादव की नेपाल में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। सोमवार को बेउर जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद रौशन आनंद ने अपने भाई के अंतिम संस्कार से पहले मीडिया के सामने खान सर पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने मिलकर मेरे भाई को मार दिया।

मीडिया से बातचीत में रौशन ने कहा कि फैजल खान सुबह से शाम तक सिर्फ षड्यंत्र रचते हैं और उन्होंने पटना पुलिस को भी गुमराह कर रखा है। उन्होंने कहा कि पटना पुलिस उनका सहयोग कर रही है, मेरा नहीं। मेरे भाई की मौत को सामान्य घटना बताने की कोशिश की जा रही है, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि वह कानून और न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखते हैं और जांच एजेंसियों को पूरा सहयोग देंगे। मैं चाहता हूं कि मेरे भाई की मौत की निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। बता दें पूरे विवाद की जड़ में प्रिंस यादव की मौत है। प्रिंस यादव नेपाल के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे। मौत कैसे हुई, इसके बारे में अभी तक कोई आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। नेपाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। होटल रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डाटा और अन्य साक्ष्यों की पड़ताल की जा रही है। हालांकि अभी तक जांच एजेंसियों ने किसी भी व्यक्ति को जिम्मेदार नहीं ठहराया है, लेकिन जिस तरह प्रिंस यादव का नाम कुछ दिन पहले पटना में हुए कोचिंग विवाद में सामने आया था, उसके बाद उनकी अचानक हुई मौत ने पूरे मामले को शक से भर दिया है।

बच्चा मेरी गोद में आते ही रोना बंद कर मुस्कुराने लगता है...

सीएम योगी ने बच्चों के प्रति लगाव का जिक्र किया तो कार्यक्रम में मौजूद लोग हंसने लगे

लखनऊ,(ए.)। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित डी-3 त्रिवेणी कार्यक्रम में बच्चों के प्रति अपने लगाव का जिक्र किया तो सभागार में मौजूद लोग मुस्कुराने लगे। योगी ने कहा कि जब भी वह किसी गांव, कस्बे या सार्वजनिक कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां कई माताएं अपने छोटे बच्चों को लेकर आती हैं। उनका उद्देश्य बच्चों का अन्नप्राशन कराना होता है। योगी ने कहा कि उन्हें बच्चों का अन्नप्राशन कराना अच्छा लगता है. उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि बच्चा अपने माता-पिता, दादा या दादी की गोद में होता है, लेकिन जैसे ही वह मेरी गोद में आता है, उसका रोना बंद हो जाता है और वह मुस्कुराने लगता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी ने कहा कि बच्चे बेहद निष्कपट होते हैं और उनकी भावनाएं भी पूरी तरह स्वाभाविक होती हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई बच्चा उनकी गोद में आता है तो उसे सुरक्षा का एहसास होता है। योगी ने कहा कि बच्चे के मन में यह भाव आता है कि वह पूरी तरह सुरक्षित है। शायद यही कारण है कि वह रोना छोड़ देता है और सहज हो जाता है। बच्चों की बात करते-करते सीएम योगी अचानक प्रशासनिक व्यवस्था और अपराध के मुद्दे पर आ गए। उन्होंने कहा कि यदि उनसे पूछा जाए कि उनका सबसे प्रिय विषय क्या है तो उनका जवाब होगा माफिया का सफाया करना। मुख्यमंत्री के इस बयान पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं।

सीएम योगी ने अपने कार्यकाल की एक घटना सुनाते हुए बताया कि एक बार उत्तर प्रदेश पुलिस के तत्कालीन डीजीपी उनसे मिलने पहुंचे। डीजीपी ने उन्हें जानकारी दी कि लखनऊ में पुलिस विभाग की एक अहम जमीन पर माफिया का कब्जा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जैसे ही उन्होंने यह बात सुनी, उन्होंने तुरंत कहा कि यह तो मेरा सबसे प्रिय विषय है। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। योगी ने बताया कि जमीन खाली कराने के बाद सरकार ने उसे यूं ही नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि उसी जमीन पर बाद में फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का निर्माण कराया गया। यह सिर्फ अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक सकारात्मक बदलाव का उदाहरण भी था, जिस जमीन पर कभी माफिया का कब्जा था, वहां आज कानून व्यवस्था और वैज्ञानिक जांच से जुड़ा संस्थान खड़ा है। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार अपराध और माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो कानून तोड़ा है तो कार्रवाई तय है।

नीट 2026 से पहले केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन, देश में इस मशहूर मैसेजिंग ऐप पर लगा बैन

नई दिल्ली (आरएनएस)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (G) 2026 को लेकर केंद्र सरकार ने एक बेहद कड़ा और अहम फैसला लिया है। देशभर में 21 जून को आयोजित होने वाली नीट की पुनर्परीक्षा की सुरक्षा और पारदर्शिता को पुख्ता करने के लिए मशहूर मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। यह कदम परीक्षा में किसी भी तरह की संभावित गड़बड़ी को रोकने और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के मकसद से उठाया गया है।

केंद्र सरकार के इस फैसले के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने सख्त निर्देश जारी कर दिए हैं। इन आधिकारिक निर्देशों के मुताबिक, भारत में टेलीग्राम की सभी सेवाओं पर 22 जून 2026 तक पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। यह पाबंदी परीक्षा खत्म होने के अगले दिन तक लागू रहेगी ताकि किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि या पेपर लीक जैसी अफवाहों पर पूरी तरह से लगाम लगाई जा सके। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) ने सरकार के इस बड़े फैसले का खुलकर स्वागत किया है। एनटीए का स्पष्ट मानना है कि परीक्षा से ठीक पहले ऐसे प्लेटफॉर्म पर अस्थायी पाबंदी लगने से सोशल मीडिया के जरिए होने वाली किसी भी तरह की धांधली या भ्रामक जानकारी फैलने जैसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। इस कदम से न केवल परीक्षा की शुचिता बरकरार रहेगी, बल्कि उन लाखों छात्रों का भविष्य भी सुरक्षित होगा जो पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ इस परीक्षा में शामिल होने

अब बिना डॉक्टर की पर्ची के नहीं ले सकेंगे खांसी की दवाई, 'सिरप' पर मचे बवाल के बाद सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सिरप आधारित दवाओं की बिक्री को लेकर बड़ा फैसला लिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नए नियमों के तहत अब कफ सिरप सहित सभी सिरप आधारित दवाएं मेडिकल स्टोर से बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं खरीदी जा सकेंगी। सरकार का उद्देश्य दवाओं के अनियंत्रित उपयोग पर रोक लगाना और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय ने 9 जून को जारी अधिसूचना में ड्रग्स (पांचवां संशोधन) नियम, 2026 लागू करने की घोषणा की है। आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही ये नियम प्रभावी हो गए हैं। संशोधन के तहत ड्रग्स रूल्स, 1945 के शेड्यूल-के से 'सिरप' शब्द को हटा दिया गया है, जिससे सिरप आधारित दवाओं को पहले प्राप्त कुछ विशेष छूट अब नहीं मिलेंगी।अब तक एंटीसेप्टिक, एंटासिड, गर्भनिरोधक उत्पादों सहित कुछ दवाओं को ओवर-द-काउंटर (OTC) बिक्री की अनुमति थी। हालांकि नए नियम लागू होने के बाद सिरप आधारित दवाओं को इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप कफ सिरप और अन्य सिरप फॉर्मूलेशन वाली दवाओं की बिक्री अधिक कड़े नियामकीय नियंत्रण के तहत होगी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस बदलाव के बाद मरीजों को ऐसी दवाएं खरीदने के लिए डॉक्टर का वैध पर्चा प्रस्तुत करना होगा। सरकार का मानना है कि इससे दवाओं के गलत इस्तेमाल और संभावित दुष्प्रभावों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

अमृतसर रेलवे स्टेशन पर अमृतसर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाए जाने से पहले, ट्रेन के पायलट और को-पायलट सजाई गई ट्रेन के पास खड़े हैं।

छोड़ दो मुझे', वायुसेना अधिकारी की पत्नी से रेप और धर्मांतरण, वीडियो आई सामने

नागपुर,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के नागपुर में भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी की पत्नी के साथ कथित दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग, जबरन वसूली और धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। घटना के सामने आने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर अय्याज ताज मादरे और आमीन शेख को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, मामले में नामजद एक मौलाना की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम छापेमारी कर रही है। पीड़िता के पति भारतीय वायुसेना में अधिकारी हैं और घटना के समय दूसरे शहर में तैनात थे।

शिकायत के मुताबिक, मुख्य आरोपी महिला को वर्धा रोड स्थित एक होटल में ले गया, जहां कथित तौर पर उसे पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया। आरोप है कि महिला के अचेत होने पर उसके साथ दुष्कर्म किया गया और आपत्तिजनक वीडियो एवं तस्वीरें भी बनाई गईं।

पीड़िता का आरोप है कि बाद में इन्हीं वीडियो और तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी देकर उसका लगातार शोषण किया गया। साथ ही उससे लाखों रुपये की उगाही भी की गई। महिला ने आरोप लगाया कि ब्लैकमेलिंग के जरिए उस पर बार-बार दबाव बनाया जाता रहा।

शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि आरोपियों ने महिला पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाला। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि उससे कुछ धार्मिक प्रक्रियाएं करवाई गईं और उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया। मामले से जुड़े कुछ वीडियो भी जांच एजेंसियों के पास पहुंचे हैं, जिनकी सत्यता की जांच की जा रही है।

1.85 लाख के बिजली बिल और अधिकारियों की प्रताड़ना से हार गया पान विक्रेता, सुसाइड नोट लिखकर दी जान

गाजीपुर ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले से एक ऐसा सिस्टम को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जो किसी की भी रूह कंपा देगा। जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र स्थित मुरादचक गांव में एक छोटी सी गुमटी में पान बेचकर अपने परिवार का पेट पालने वाले सुरेंद्र कश्यप ने जहर (सल्फास) खाकर अपनी जान दे दी। कथित तौर पर सुरेंद्र बिजली विभाग के भारी-भरकम बिल और वसूली के लिए अधिकारियों द्वारा बनाए जा रहे लगातार दबाव से गहरे तनाव में थे। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसने सरकारी महकमे की संवेदनहीन कार्यप्रणाली की पोल खोल कर रख दी है।

एक लाख का जुर्माना बढ़कर हुआ 1.85 लाख

मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक साल पहले बिजली विभाग की विजिलेंस टीम ने सुरेंद्र की छोटी सी पान की दुकान पर छापेमारी की थी। इस सख्त कार्रवाई के बाद उन पर लगभग 1 लाख 12 हजार रुपये का भारी-भरकम जुर्माना और बकाया बिल थोप दिया गया। रोज कुआं खोदकर पानी पीने वाले एक गरीब पान विक्रेता के लिए यह रकम चुकाना नामुमकिन था। बाद में जब यह मामला तहसील पहुंचा और वसूली के लिए आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी हुई, तो यह बकाया राशि बढ़कर लगभग 1 लाख 85 हजार रुपये हो गई।

दफ्तरों के काटे चक्कर, मिली सिर्फ मानसिक प्रताड़ना

परिजनों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि सुरेंद्र इस बिल को कम कराने और थोड़ी सी मोहलत पाने के लिए लगातार बिजली विभाग और तहसील के अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे थे। लेकिन मदद की गुहार लगा रहे इस गरीब को राहत मिलने के बजाय सिर्फ मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ी। राजस्व कर्मी और बिजली विभाग के लोग अक्सर उनकी दुकान पर आ धमकते थे और वसूली के लिए धमकाते हुए उनकी रोजी-रोटी का इकलौता साधन (दुकान) बंद कराने की चेतावनी देते थे।

'मैं मर जाऊं, तो शायद बिल खत्म हो जाएगा'

इस दर्दनाक घटना के बाद मृतक की पत्नी ज्ञानती ने रोते हुए जो बताया, वह हर किसी की आंखें नम कर देगा। उन्होंने बताया कि सुरेंद्र हमेशा भारी तनाव में रहते थे और अक्सर कहते थे कि अगर मैं मर जाऊं, तो शायद यह बिल और जुर्माना खत्म हो जाएगा। परिवार की आर्थिक स्थिति पहले ही बदहाल थी, ऊपर से दो जवान बेटियों की शादी की चिंता और हर दिन बढ़ते कर्ज के इस बोझ ने सुरेंद्र की सारी उम्मीदें तोड़ दीं। इस खौफनाक कदम के बाद पूरे गांव में बिजली विभाग और प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश भड़का हुआ है। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

डिवाइडर फांदकर आपस में भिड़े दो ट्रक, आग का गोला बनी गाड़ियों में जिंदा जल गए दोनों ड्राइवर

सुंदरगढ़,(आरएनएस)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में मंगलवार को एक ऐसा खौफनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप उठेगी। यहां राष्ट्रीय राजमार्ग 10 पर दो ट्रकों के बीच इतनी जोरदार टक्कर हुई कि पल भर में दोनों गाड़ियां आग का गोला बन गईं। इस दर्दनाक हादसे में दोनों ट्रकों के ड्राइवरों को बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला और उनकी केबिन के अंदर ही जिंदा जलकर बेहद खौफनाक मौत हो गई।

डिवाइडर कूदकर दूसरी लेन में घुसा मौत बनकर आया ट्रक

पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह भयानक दुर्घटना भस्मा थाना क्षेत्र के अंतर्गत कैंतरा के पास उस वक्त हुई, जब एक भारी-भरकम ट्रक झारसुगुड़ा से सुंदरगढ़ की तरफ जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक पर से ड्राइवर का नियंत्रण पूरी तरह से खो गया। बेकाबू होने के बाद यह ट्रक सड़क के बीच बने डिवाइडर को फांदता हुआ सीधे दूसरी लेन में जा घुसा। उसी समय सामने से (सुंदरगढ़ से झारसुगुड़ा की ओर) आ रहे एक अन्य ट्रक से उसकी सीधी और जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर

इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से के पूरी तरह से परखच्चे उड़ गए।हादसा होते ही दोनों ट्रकों में से एक का डीजल टैंक तेज धमाके के साथ फट गया। इसके बाद देखते ही देखते वहां आग की भयावह लपटें उठने लगीं और महज कुछ ही मिनटों में आग ने दोनों ट्रकों को अपनी खौफनाक चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास मौजूद लोग चाहकर भी ड्राइवरों को बचाने के लिए आगे नहीं जा सके और दोनों गाड़ियां उनके देखते-देखते जलकर खाक हो गईं।इस दिल दहला देने वाले हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ट्रकों के अंदर फंसे दोनों ड्राइवर पूरी तरह से झुलस चुके थे। आग का कहर ऐसा था कि शवों की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई कि पुलिस के लिए उनकी शिनाख्त कर पाना भी नामुमकिन हो रहा है। फिलहाल, पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है और यह जांच करने में जुट गई है कि आखिर ट्रक के अनियंत्रित होने के पीछे की असली वजह क्या थी।

हम साथ जिएंगे या साथ मरेंगे कहकर पीया जहर, पत्नी नहीं मरी तो पति ने गला दबाकर कर दी हत्या

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक 22 वर्षीय युवती की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने जांच के बाद युवती के प्रेमी को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने एक वर्ष पहले परिवार से छिपाकर शादी कर ली थी, जिसका खुलासा हाल ही में एक इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए हुआ।मृतका भवानी बेंगलुरु के तुलसी नगर क्षेत्र में रहती थी और एक मोबाइल फोन शोरूम में बिलिंग एग्जीक्यूटिव के रूप में कार्यरत थी। वहीं आरोपी चंद्रशेखर ऑटो-रिक्शा चालक है। दोनों पिछले कुछ समय से गुप्त रूप से साथ रह रहे थे।पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह भवानी के परिजनों को उसकी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से एक युवक के साथ उसके संबंधों की जानकारी मिली। इसके बाद परिवार ने उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बार-बार फोन करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। चिंतित परिजनों ने मकान मालिक को सूचना दी। जब घर का दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस को बुलाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर के अंदर भवानी को मृत अवस्था में पाया, जबकि चंद्रशेखर अचेत मिला। दोनों के शरीर और कमरे से किसी जहरीले पदार्थ जैसी तेज गंध आने की बात भी सामने आई।

'मेरे बिना इस्त्राइल नहीं होता': ट्रंप ने ईरान को फिर चेताया- परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश की तो बरपेगा कहर

एवियन (ए.)। फ्रांस के एवियन शहर में जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक में पश्चिम एशिया की सुरक्षा, अमेरिका-ईरान समझौते और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक के दौरान ट्रंप ने हाल ही में हुए अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि यह समझौता सफल होना चाहिए और इसके अगले चरण की बातचीत पहले से भी आसान हो सकती है। ट्रंप ने उन खबरों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा जा रहा था कि अमेरिका ईरान में धन निवेश करेगा। बता दें कि, बीते राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने शांति समझौते पर डिजिटल तरीके से हस्ताक्षर किए हैं। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि अगर वो न होते तो इस्राइल तबाह हो चुका होता।

हम ईरान में कोई पैसा निवेश नहीं कर रहे हैं- ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस दौरान कहा, 'हमने ईरान के साथ डील कर ली है और यह सफल होनी चाहिए। अब यह दूसरे चरण में जाएगी, जो मुझे लगता है कि असल में आसान होगा। मैं पिछले हफ्ते उन पर हमला नहीं करना चाहता था, लेकिन हमारे पास कोई चारा नहीं था। और असल में हमने दो बार ऐसा किया। हम तीसरी बार भी ऐसा करने जा रहे थे, लेकिन हमें ऐसा करने की जरूरत नहीं पड़ी। लेकिन हमारी डील एक निष्पक्ष डील है। यह एक अच्छी डील है। हम ईरान में कोई पैसा निवेश नहीं कर रहे हैं। हमारे पास किसी दिन अंदर जाकर कार्रवाई करने का अधिकार है, अगर मैं कुछ करना चाहूं या कोई और कुछ करना चाहे। लेकिन हम कोई पैसा निवेश नहीं कर रहे हैं। ईरान में पैसा निवेश करने की हमारी कोई बाध्यता नहीं है'।

'परमाणु हथियार बनाने-हासिल करने पर ईरान पर टूटेगा कहर'

ट्रंप ने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे जरूरी बात यह है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार न हों। और यह बात साफ-साफ कही गई है। वे इसे न तो बनाएंगे, न ही खरीदेंगे और न ही इसका इस्तेमाल करेंगे। और अगर वे ऐसा करते हैं, तो उन्हें बहुत बुरे नतीजे भुगतने होंगे। मैं आपको उन नतीजों के बारे में बताऊंगा भी नहीं, लेकिन वे नतीजे बहुत ही गंभीर होंगे। इसके बावजूद, मुझे उम्मीद है कि हमारे रिश्ते बहुत अच्छे रहेंगे। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। और यही वजह है कि मैं इसमें शामिल हुआ और मैंने समझौते पर दस्तखत करने का फैसला किया'। ट्रंप ने आगे कहा, 'मैंने कभी सत्ता बदलने की परवाह नहीं की। यह कभी भी इसका हिस्सा नहीं रहा... हम ऐसे लोगों से बात कर रहे हैं जो मुझे बहुत समझदार लगते हैं। और उनके साथ बातचीत करना अच्छा रहा। वे मजबूत और समझदार लोग थे। असल में, मुझे लगता है कि वे पहले और दूसरे ग्रुप के लोगों से ज्यादा समझदार हैं।

यह अमेरिका-ईरान के बीच समझौता नहीं यह एक डिप्लोमैटिक सक्सेस है

-पीएम शहबाज का ऐलान- साइनिंग सेरेमनी की मेजबानी करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद,(ए.)। पीएम शहबाज शरीफ ने संसद में ऐलान किया है कि पाकिस्तान स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर साइनिंग सेरेमनी की मेजबानी करेगा। शरीफ ने कहा कि यह सिर्फ दो देशों के बीच का समझौता नहीं है, बल्कि यह शांति और बातचीत की सफलता है। एक डिप्लोमैटिक सक्सेस है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा ढांचे के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। इसके साथ ही शहबाज शरीफ ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का गुणगान करते हुए कहा कि उन्होंने इस युद्ध की आग को बुझाने और शांति स्थापित करने में सक्रिय भूमिका निभाई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शहबाज ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते को शांति की दिशा में एक हिस्टोरिक माइलस्टोन बताया। उन्होंने उस नई शुरुआत की सराहना की जो तीन महीने और 16 दिनों की कई कोशिशों के बाद हुई, जब अमेरिका और ईरान ने लेबनान समेत सैन्य कार्रवाई को तुरंत और स्थायी रूप से रोकने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बातचीत की पूरी प्रक्रिया में अमेरिका और ईरान दोनों के नेतृत्व ने मुश्किल हालात में धैर्य और समझदारी दिखाई। नतीजा यह हुआ कि पूरी दुनिया इस महान दिन की गवाह बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका और ईरान ने अपने 107 दिन के युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप दिया है, जिसने वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर दिया था। रिपोर्ट में पीएम शरीफ के मुताबिक शांति समझौते पर 19 जून को स्विट्जरलैंड में हस्ताक्षर किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान 19 जून को जेनेवा में इस ऐतिहासिक समझौते के हस्ताक्षर समारोह की मेजबानी करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आज का दिन न केवल पाकिस्तान में रहने वालों के लिए, बल्कि दुनिया भर में रहने वाले पाकिस्तानियों के लिए भी गर्व का दिन है। शहबाज शरीफ ने कहा कि मैं लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि सरकार इस शांति समझौते से मिलने वाली वैश्विक आर्थिक स्थिरता का लाभ हर पाकिस्तानी तक पहुंचाएगी।

जब तक मैं पीएम हूं तब तक ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा : नेतन्याहू

तेल अवीव,(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के कुछ घंटे बाद इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने डील पर अपनी असहमति जाहिर करते हुए कहा कि उनकी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राय हमेशा एक जैसी नहीं होती है। नेतन्याहू ने कहा कि डील हो या न हो, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इजराइली सेना गाजा, लेबनान और सीरिया में जब तक जरूरी होगा तब तक बनी रहेगी। लेबनान में इजरायली सेना की मौजूदगी से ईरान भड़क सकता है। हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध रोकना ईरान की प्रमुख शर्तों में शामिल है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिका और ईरान के बीच समझौते पर सीधे बात करने से परहेज किया और ईरान व मध्य पूर्व में इजराइल की कामयाबियों पर ध्यान केंद्रित किया।

हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि इजराइल को अभी तक इस समझौते के बारे में जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और मैं इजराइल का पीएम हूं। मैं इजराइल की सुरक्षा के हितों के लिए जिम्मेदार हूं और यह काम समझदारी से किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक वह पीएम हैं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।

नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। हमें अपनी रक्षा के लिए सतर्क, मजबूत और दृढ़ रहना होगा, जैसा कि जरूरी है। नेतन्याहू ने साफ किया कि इजराइल का दक्षिणी लेबनान, गाजा या सीरिया से हटने का कोई इरादा नहीं है।

'पाकिस्तान भरोसे लायक नहीं, तीन बार यूएस को दे चुका धोखा', अमेरिकी विशेषज्ञ ने फासीवादी इटली से की तुलना

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिकी विश्लेषक माइकल रुबिन ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी कूटनीतिक प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा है कि ईरान संकट के समाधान के लिए पाकिस्तान पर भरोसा करना, ऐसा ही है जैसे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी की समस्या सुलझाने के लिए फासीवादी इटली पर निर्भर रहना।

फासीवादी इटली से की पाकिस्तान की तुलना

अमेरिका के मिडिल ईस्ट फोरम में नीति विश्लेषण निदेशक माइकल रुबिन ने भारतीय न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कहा कि पाकिस्तान को भरोसेमंद मध्यस्थ नहीं माना जा सकता, क्योंकि उसने अतीत में कई बार अमेरिका के हितों को नुकसान पहुंचाया है। रुबिन ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप न केवल बातचीत की मेज पर ईरान के सामने कमजोर साबित हुए, बल्कि

उन्होंने मध्यस्थों के चयन में भी गलती की है। कतर और खासकर पाकिस्तान को मध्यस्थ बनाना गंभीर भूल है। ईरान समस्या के समाधान के लिए पाकिस्तान पर निर्भर रहना वैसा ही है जैसे फ्रैंकलिन रूजवेल्ट द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी से निपटने के लिए फासीवादी इटली पर भरोसा करते थे।'

अमेरिका को कई बार धोखा दे चुका पाकिस्तान

रुबिन ने कहा कि किसी भी विवाद में ऐसा मध्यस्थ नहीं चुना जाना चाहिए जो आपकी हार चाहता हो, लेकिन अमेरिका बार-बार वही गलती दोहरा रहा है। पाकिस्तान ने तालिबान को समर्थन देकर और अल-कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को अपने क्षेत्र में शरण देकर अमेरिका के भरोसे को कई बार तोड़ा है।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान ने तालिबान के मामले में अमेरिका को धोखा दिया। ओसामा बिन लादेन को पनाह देकर भी उसने अमेरिका के साथ विश्वासघात किया।

अब वह फिर वही कर रहा है। यह विडंबना है कि पाकिस्तान इस पूरी स्थिति में फायदे में है। पाकिस्तान के परमाणु वैज्ञानिक ए.क्यू. खान ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को शुरुआती आधार देने में भूमिका निभाई थी।'

फीचर

'इसको कुछ खिलाओ', माधुरी दीक्षित को करना पड़ा था बॉडी शेमिंग का सामना, पुराने दिनों को याद कर किया बड़ा खुलासा

'मां बहन' फिल्म में उनका किरदार समाज की सोच और जजमेंट का सामना करता है, खासकर उनके स्लीवलेस ब्लाउज पहनने को लेकर। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में माधुरी ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें भी बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ा था।

जब माधुरी को कहा गया 'बहुत दुबली'

माधुरी ने बताया कि एक पब्लिक फिगर होने के नाते लोगों की राय और कमेंट्स से बचना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, 'जब मैंने करियर शुरू किया था, तब लोग कहते थे कि मैं बहुत पतली हूं। लोग कहते थे- इसको कुछ खिलाओ। लोग बहुत जल्दी जज कर लेते हैं। अगर आपका वजन बढ़ जाए तो भी बोलेंगे, कम हो जाए तो भी बोलेंगे।'

सोशल मीडिया के दौर पर क्या बोलीं माधुरी

माधुरी ने यह भी कहा कि पहले के समय में ऐसी बातों से निपटना थोड़ा आसान था क्योंकि तब सोशल मीडिया नहीं था। उन्होंने कहा, 'आज के समय में सोशल मीडिया और उसकी अनाम पहचान की वजह से लोग कुछ भी कह देते हैं। लेकिन जरूरी है कि आप अपने काम पर ध्यान दें, जो आपको पसंद है वही करें और खुद से प्यार करना सीखें।'

करियर की शुरुआत और सफलता

माधुरी दीक्षित ने 1980 के दशक में फिल्म 'अबोध' (1984) से अपने करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में उनकी कई फिल्में नहीं चलीं और उन्हें इंडस्ट्री में जगह बनाने में समय लगा।

उनकी किस्मत बदली फिल्म 'तेजाब' (1988) से, जिसमें उनके साथ अनिल कपूर नजर आए। इस फिल्म का गाना 'एक दो तीन' बेहद हिट हुआ और माधुरी रातों-रात स्टार बन गईं। इसके बाद उन्होंने 'राम लखन', 'दिल' और 'साजन' जैसी कई हिट फिल्मों से खुद को बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस के रूप में स्थापित किया।

'मां बहन' की कहानी

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी फिल्म 'मां बहन' में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा और रवि किशन भी अहम भूमिकाओं में हैं।

फिल्म की कहानी रेखा (माधुरी) नाम की एक सिंगल मदर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक रात अपनी दोनों बेटियों जया और सुषमा को अचानक बुलाती है और बताती है कि उनके घर में पड़ोसी गुप्ता (रवि किशन) की लाश पड़ी है। इसके बाद तीनों मिलकर इस मुश्किल हालात से निकलने की कोशिश करती हैं। यह फिल्म समाज की सोच, जजमेंट और महिलाओं पर होने वाले दबाव को दिखाती है।

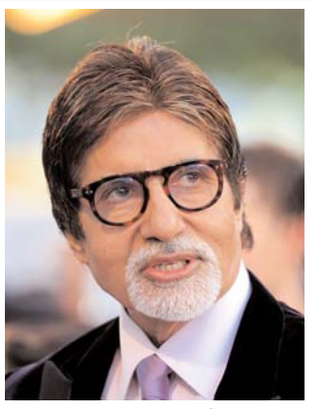

कभी भी अपने काम के स्तर से समझौता मत करो : अमिताभ बच्चन

मुंबई (ए.)। अपनी व्यस्ततम कार्यसूची के बावजूद महानायक अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया और अपने ब्लॉग के माध्यम से नियमित रूप से फैंस के साथ संवाद करते रहते हैं। इतना ही नहीं, वे अपने फैंस को जिंदगी के बेहतरीन अनुभवों से भी रुबरु कराते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ब्लॉग में एक दिन के कामकाज का ब्यौरा साझा करते हुए बताया कि उन्होंने एक ही दिन में लगातार 12 शॉर्ट फिल्मों की शूटिंग पूरी की, दो स्टिल फोटोशूट भी किए और इसके बाद देर रात अपने चाहने वालों के लिए ब्लॉग लिखने का समय निकाला। अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग में लिखा कि काम चाहे कितना भी अधिक क्यों न हो, अपने लोगों और प्रशंसकों से जुड़े रहने की प्रक्रिया कभी रुकनी नहीं चाहिए।

अपने फार्महाउस पर सुनील लहरी कर रहे जैविक खेती, वीडियो किया शेयर

मुंबई (ए.)। फार्महाउस और जैविक खेती को लेकर धारावाहिक रामायण में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले कलाकार सुनील लहरी आजकल चर्चाओं में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने फार्महाउस का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने वहां उगाई जा रही विभिन्न फलों और

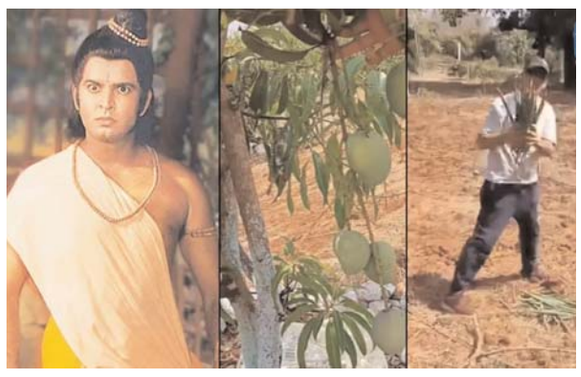

सब्जियों की पैदावार दिखाई। इस वीडियो को देखकर उनके प्रशंसक काफी उत्साहित नजर आए और खेती के प्रति उनके लगाव की सराहना की। वीडियो में सुनील लहरी अपने फार्महाउस के अलग-अलग हिस्सों की सैर कराते दिखाई देते हैं। उन्होंने खेतों में उगाए गए तरबूज, केला, पपीता, काजू, फूलगोभी, शिमला मिर्च और अन्य फलों व सब्जियों की जानकारी दी। अभिनेता ने बताया कि वह पूरी तरह जैविक पद्धति से खेती कर रहे हैं और रासायनिक तत्वों के बजाय प्राकृतिक तरीकों को प्राथमिकता देते हैं। वीडियो के दौरान वह प्रत्येक पौधे और फसल के बारे में विस्तार से बताते हुए नजर आते हैं, जिससे खेती के प्रति उनकी गहरी रुचि और समर्पण स्पष्ट दिखाई देता है।

करीब डेढ़ मिनट के इस वीडियो में उन्होंने अपने खेतों में लगे आम के पेड़ों, मिर्च की फसल और अन्य कृषि उत्पादों को भी दिखाया। उन्होंने मोरिंगा की फलियां तोड़कर दर्शकों को उनकी उपयोगिता के बारे में बताया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद प्रशंसकों ने बड़ी संख्या में प्रतिक्रियाएं दीं। कई लोगों ने उनकी खेती की प्रशंसा की, जबकि कुछ ने जैविक खेती और फसल उत्पादन से जुड़े सवाल भी पूछे। इससे पहले भी सुनील लहरी अपने फार्महाउस से जुड़े कई वीडियो साझा कर चुके हैं। कुछ सप्ताह पहले उन्होंने अपने पोते के साथ फार्महाउस में बिताए गए समय की झलकियां दिखाई थीं। वह लगातार लोगों को बच्चों के साथ गांवों और प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने की सलाह देते रहे हैं।

उनका मानना है कि आधुनिक जीवनशैली के बीच प्रकृति से जुड़ाव मानसिक और शारीरिक रूप से लाभदायक साबित हो सकता है। खेती को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनील लहरी ने देश में कृषि को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। उनका कहना है कि बड़ी मात्रा में कृषि भूमि खाली पड़ी रहती है, जिसका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से ऐसे उपाय करने की अपील की है, जिनसे खेती को प्रोत्साहन मिले और कृषि योग्य भूमि का अधिकतम उपयोग हो सके। मालूम हो कि अभिनय की दुनिया से काफी हद तक दूरी बनाने के बाद भी वह अपने प्रशंसकों से लगातार जुड़े हुए हैं और सोशल मीडिया के माध्यम से अपने जीवन की झलकियां साझा करते रहते हैं।

डॉन 3 का विवाद पहुंचा कानूनी मोड़ तक, आमिर के प्रयास भी विफल

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और निर्देशक-निर्माता फरहान अख्तर के बीच फिल्म डॉन 3 को लेकर चल रहा विवाद अब फिल्म उद्योग में चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है। इस पूरे विवाद में अब एक नया खुलासा सामने आया है, जिसने फिल्म जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। फिल्म फेडरेशन के मुख्य सलाहकार अशोक पंडित ने एक साक्षात्कार में बताया कि मामला औपचारिक रूप से फेडरेशन तक पहुंचने से पहले उद्योग के कई वरिष्ठ लोगों ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया था। उनके अनुसार, इस विवाद को शांत करने के लिए स्वयं आमिर खान ने पहल की थी। उन्होंने रणवीर सिंह और फरहान अख्तर के बीच संवाद स्थापित कर मतभेद दूर करने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका और दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाई। अशोक पंडित ने कहा कि किसी भी कलाकार को किसी परियोजना से हटने के पीछे उचित कारण हो सकते हैं, लेकिन यदि किसी फिल्म के लिए सहमति देने के बाद निर्माता द्वारा निवेश शुरू कर दिया गया हो तो उससे होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी भी महत्वपूर्ण विषय बन जाती है। उनका कहना था कि चाहे कलाकार कितना भी बड़ा सितारा क्यों न हो, अंतिम समय में किसी प्रोजेक्ट से अलग होने के परिणामों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी बड़े बैनर की जगह कोई छोटा निर्माता इस स्थिति में होता, तो उसे गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता था। रिपोर्टों के अनुसार, फरहान अख्तर की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट का दावा है कि रणवीर सिंह के फिल्म से अलग होने के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इसी आधार पर नुकसान की भरपाई की मांग किए जाने की चर्चा भी सामने आई है। दूसरी ओर, उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि रणवीर सिंह और फिल्म के निर्माताओं के बीच कहानी, पटकथा और परियोजना में हो रही देरी को लेकर मतभेद थे। बताया जाता है कि अंतिम स्क्रिप्ट को लेकर असहमति और लगातार टलती तैयारियों ने स्थिति को और जटिल बना दिया। इस बीच अभिनेता सलमान खान के हस्तक्षेप की खबरें भी सामने आई थीं, लेकिन बाद में इन दावों को अफवाह बताया गया।

शरणार्थी शिविर से फीफा विश्वकप तक पहुंचे नेस्टोरी

मियामी (ए.)। फीफा विश्वकप फुटबॉल में इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहले ही मुकाबले में जीत दिलाने वालो खिलाड़ी नेस्टोरी इरानकुंडा हीरो बनकर उभरे हैं। तुर्किये के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 27वें मिनट में शानदार गोल दागकर उन्होंने न केवल अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई, बल्कि 20 वर्ष और 125 दिन की उम्र में विश्व कप में गोल करने वाले सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बनने की भी उपलब्धि अपने नाम की है। नेस्टोरी का यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर में जन्मे नेस्टोरी के माता-पिता को बुरुंडी में गृहयुद्ध के कारण अपना देश छोड़ना पड़ा था और शरण लेने के लिए तंजानिया पहुंचना पड़ा था। इसी दौरान नेस्टोरी का जन्म हुआ। बचपन में ही उनका परिवार ऑस्ट्रेलिया चला आया, जिसने उनकी जिंदगी को एक नया मोड़ दिया। यहीं पर नेस्टोरी ने फुटबॉल खेलना शुरु किया और धीरे-धीरे अपनी असाधारण प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। एडिलेड यूनाइटेड के लिए खेलते हुए उन्होंने घरेलू फुटबॉल में अपनी पहचान बनाई, अपनी गति, तकनीक और आक्रामक खेल से ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में शामिल हो गये।

साल 2024 में जर्मनी के दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख ने इस फुटबॉलर को अवसर दिया हालांकि जर्मनी में चीजें उम्मीद के मुताबिक नहीं रहीं। उन्होंने क्लब की दूसरी टीम के लिए कई मुकाबले खेले, पर वरिष्ठ टीम में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाया। विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए, नेस्टोरी को नियमित खेल समय की आवश्यकता थी, जिससे उन्हें अपने भविष्य को लेकर चिंता होने लगी। इसी बीच, उन्होंने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया और वर्ष 2025 में इंग्लैंड के क्लब वॉटफोर्ड से जुड़ गए। यह निर्णय उनके करियर के लिए अच्छा रहा। वॉटफोर्ड में उन्हें लगातार खेलने का मौका मिला और वह टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल हो गए। नेस्टोरी ने हमेशा कहा था कि विश्व कप में खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है, और इसके लिए नियमित रूप से मैदान पर उतरना अनिवार्य था।

नेस्टोरी के ऑस्ट्रेलियाई साथी मोहम्मद टौरे उनकी प्रतिभा के बड़े प्रशंसक रहे हैं। टौरे ने एक बार कहा था कि उन्होंने कई अच्छे खिलाड़ी देखे हैं, लेकिन नेस्टोरी जैसी विशेष प्रतिभा बहुत कम मिलती है। तंजानिया के एक शरणार्थी शिविर से शुरू हुआ नेस्टोरी इरानकुंडा का असाधारण सफर अब विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच तक पहुंच चुका है। इससे युवा प्रतिभाओं को भी प्रेरणा मिलेगी।

फीफा ने नस्लभेदी इशारा करने के आरोपों से ऑस्ट्रेलियाई वीएआर इवांस को बरी किया

नई दिल्ली (आरएनएस)।। जर्मनी और कुराकाओ के बीच रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले से पहले नस्लभेदी इशारा करने के आरोपी ऑस्ट्रेलियाई रेफरी शॉन इवांस को फीफा ने आरोपों से बरी कर दिया है। मुकाबले से पहले ब्रॉडकास्ट में वीडियो रिव्यू टीम ने ऑस्ट्रेलियाई एनालिस्ट को उल्टा ओके का इशारा करते हुए पाया। इस इशारे को अक्सर व्हाइट सुप्रीमेसी (श्वेत वर्चस्व) समूहों से जोड़ा जाता है। वर्ष 2017 से फीफा की रेफरी सूची में शामिल 38 वर्षीय शॉन इवांस एक अनुभवी वीएआर हैं। वर्ष 2022 में कतर में आयोजित वर्ल्ड कप में उनको रेफरी की भूमिका निभाने के लिए भी नियुक्त किया गया था।

आरोपों पर अपने बयान में शॉन इवांस ने कहा कि यह इशारा अनजाने में हुआ था। उन्होंने एक बयान में कहा, मैं यह साफ करना चाहता हूं कि मैंने जानबूझकर कोई हाथ का इशारा या प्रतीक नहीं बनाया जिससे कोई संदेश, जुड़ाव, खेल या किसी तरह की मान्यता जाहिर हो।

उन्होंने कहा, मैं बस यही कह सकता हूं कि यह हरकत अनजाने में, अवचेतन मन से हुई थी और मुझे उस समय पता भी नहीं चला कि मैंने ऐसा किया है। मैच के दौरान और बाद में ली गई तस्वीरों से पता चला कि मैंने अपनी उंगलियों के बीच पेन पकड़े हुए कई बार यह हरकत दोहराई थी।

16 साल बाद विश्व कप में दोहराया इतिहास, 5वें दिन खेले गए सभी 4 मैचों का नहीं निकला कोई नतीजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में एक ऐसा दिलचस्प नजारा देखने को मिला है, जिसने 2010 के विश्व कप की यादें ताजा कर दी हैं। टूर्नामेंट के 5वें दिन खेले गए सभी चार मुकाबलों में कोई भी टीम जीत हासिल नहीं कर सकी और सारे मैच ड्रॉ पर खत्म हुए। पूरे दिन भर में कुल 8 गोल दागे गए, लेकिन दिन का खेल खत्म होने तक सभी मुकाबले बेनतीजा ही रहे।

केप वर्ड ने अपने डेब्यू मैच में स्पेन को चौंकाया

दिन का पहला मुकाबला दुनिया की नंबर 3 टीम स्पेन और केप वर्ड के बीच खेला गया। केप वर्ड का यह विश्व कप इतिहास में डेब्यू मैच था। अपने पहले ही मैच में इस टीम ने शानदार खेल दिखाया और स्पेन जैसी मजबूत टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। यह रोमांचक मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा।

मिस्र और बेल्जियम के बीच कांटे की टक्कर

दूसरा मैच बेल्जियम और मिस्र (इजिप्ट) के बीच खेला गया, जो 1-1 से ड्रॉ रहा। इस मैच में मिस्र के इमाम ओशोर ने 20वें मिनट में शानदार गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई, जो हाफ टाइम तक बरकरार रही। हालांकि, दूसरे हाफ के 66वें मिनट में बेल्जियम के मोहम्मद हैनी ने गोल दागकर अपनी टीम को बराबरी पर ला खड़ा किया।

उरुग्वे के खिलाफ सऊदी अरब का शानदार प्रदर्शन

दिन का तीसरा मुकाबला सऊदी अरब और उरुग्वे के बीच हुआ। इस मैच में भी दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। 41वें मिनट में सऊदी अरब के अल अमीरी ने गोल कर एक बड़े उलटफेर की उम्मीद जगाई थी। लेकिन 80वें मिनट में आखिरकार उरुग्वे की टीम ने वापसी करते हुए गोल दाग दिया और सऊदी अरब की बढ़त को खत्म कर दिया।

ईरान और न्यूजीलैंड के मैच में लगे सबसे ज्यादा गोल

चौथे और आखिरी मुकाबले में ईरान और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं। इस मैच में दिन के सबसे ज्यादा 4 गोल देखने को मिले, लेकिन यह मैच भी 2-2 से ड्रॉ पर ही खत्म हुआ। न्यूजीलैंड ने इस मैच में दो बार बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने दोनों बार शानदार वापसी की। न्यूजीलैंड के लिए एलिजाह जस्ट ने 7वें और 55वें मिनट में दो बेहतरीन गोल दागे। वहीं, ईरान की ओर से रमीन रिजालन ने 32वें और मोहम्मद मोहेबी ने 64वें मिनट में गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया।

हार्दिक के अच्छे विकल्प हो सकते हैं नितीश : रैना

मुम्बई (ए.)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी आगामी 2027 एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए चोटिल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के एक अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि नितीश का वर्तमान समय में अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह हार्दिक के अच्छे विकल्प बनने की योग्यता रखते हैं। साथ ही कहा कि चयन समिति को अन्य विकल्प भी देखने चाहिये। इसका कारण है कि हार्दिक कई बार चोटिल होते रहते हैं। रैना ने कहा कि पंड्या की बार-बार होने वाली चोटें चिंता का विषय हैं और 2027 विश्व कप से पहले भारत को उनका एक भरोसेमंद विकल्प ढूंढना अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करना चाहिए। रैना ने नितीश को एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश किया, यह बताते हुए कि इस युवा ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने विस्तार से बताया, उनकी बल्लेबाजी और मजबूत हुई है। आईपीएल में उन्होंने अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की और उनकी फिटनेस भी अच्छी रही है। रैना ने टीम प्रबंधन को सलाह दी कि उन्हें रेड्डी के काम के बोझ का सावधानी से प्रबंधन करना चाहिए और उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार मौके देने चाहिए ताकि वह अपनी जगह पक्की कर सकें।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज रैना ने भविष्य के संभावित कप्तान शुभमन गिल के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली की भूमिका को अहम बताया। उनका मानना है कि आईसीसी जैसे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में इन दिग्गजों का अनुभव गिल के लिए अमूल्य साबित होगा। रैना ने जोर दिया, दोनों ही आईसीसी विश्व कप में काफी रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने आईसीसी ट्रॉफियां जीती हैं और नॉकआउट मुकाबलों में दबाव को संभालना जानते हैं।

वैभव की श्रीलंकाई खिलाड़ी से झड़प का कारण अब सामने आया

कोलंबो (ए.)। श्रीलंका में खेली जा रही ए टीम की त्रिकोणीय सीरीज में भारत ए टीम के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए टीम के खिलाड़ी के बीच हुई झड़प का कारण अब सामने आया है। इस घटना का एक वीडियो भी आया है। इसमें वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ी एक दूसरे का धक्का देते हुए दिख रहे हैं। कोलंबो में हुए इस मुकाबले में और श्रीलंका ए को सुपर ओवर में जीत मिली थी। मैच समाप्त होते ही मैदान पर तनाव का माहौल बन गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीलंकाई ए टीम के खिलाड़ी विशन हलंबागे ने भारतीय बल्लेबाज वैभव को उकसाते हुए कहा, मैच समाप्त हो गया अब तुम घर जाओ। इसपर वैभव भड़क गये और उनकी श्रीलंकाई खिलाड़ी से बहस हो गयी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हल्की धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसके कारण अन्य खिलाड़ियों और अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह घटना उस मैच के बाद हुई जब श्रीलंका ए ने बेहद करीबी मुकाबले में सुपर ओवर के ज़रिए भारत ए को हराया था। हालांकि, सुपर ओवर कम रोशनी में खेला गया था, जिस पर बाद में सवाल भी उठे। इस पूरे मामले पर श्रीलंकाई ए टीम के ड्रेसिंग रूम में भी काफी चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम में कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि टीम को भारतीय टीम से माफी मांगनी चाहिए।

फीफा विश्व कप 2026 : ईरान ने न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर रोका

लॉस एंजिल्स (ए.)। ईरान ने फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के ग्रुप जी के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में न्यूजीलैंड को 2-2 से ड्रॉ पर ही रोक दिया। इसी के साथ ही न्यूजीलैंड विश्वकप में पहली जीत हासिल करने से वंचित हो गयी। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में ईरान ने दो बार पिछड़ने के बाद भी अच्छी वापसी की और एक अंक हासिल किया। इस मैच में ईरान की जीत में रामिन रेजाईन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दो गोल दागे। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से एलिजा जस्ट ने दो गोल किये पर अंत में व ड्रॉ पर ही मजबूर हो गयी।

मैच की शुरुआत में ही ईरान ने हमला बोल दिय। मेहदी तारेमी के शॉट को हालांकि न्यूजीलैंड के गोलकीपर मैक्स क्रोकॉम्बे ने रोक लिया। इसके तत्काल बाद ही न्यूजीलैंड ने बढ़त हासिल कर ली। एलिजा जस्ट ने क्रिस वुड के पास पर गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

ईरान ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी के प्रयास तेज कर दिये। रामिन रेजाईन ने गोलकीपर क्रोकॉम्बे को छकाते हुए एक गोल दाग दिया।

छत्तीसगढ़ समाचार

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13-17 जुलाई तक चलेगा

5 बैठकें होंगी, स्कूलों में मंत्र-पाठ और कानून व्यवस्था हंगामा

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होकर 17 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने सत्र की अधिसूचना और कार्यसूची जारी कर दी है। 5 दिनों तक चलने वाले इस सत्र में कुल 5 बैठकें होंगी, जिनमें प्रश्नोत्तर, शासकीय कार्य और वित्तीय मामलों चर्चा होगी।

पहले 4 दिनों तक प्रश्नोत्तर काल और शासकीय कार्य निर्धारित किए गए हैं। वहीं अंतिम दिन 17 जुलाई को प्रश्नोत्तर और शासकीय कार्यों के साथ गैर-शासकीय कार्य भी लिए जाएंगे। सदन में स्कूलों में मंत्र-पाठ और कानून व्यवस्था पर विपक्ष सरकार को घेर सकती है। मानसून सत्र के दौरान विपक्ष सरकार को कानून-व्यवस्था, किसानों, बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और विभिन्न विभागों में हुए विवादित फैसलों के मुद्दे पर घेरने की तैयारी में है। वहीं सरकार भी अपनी उपलब्धियों और योजनाओं का ब्यौरा सदन में रखने की तैयारी कर रही है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक सत्र के दौरान वित्तीय कार्यों के साथ अन्य शासकीय कार्य भी संपादित किए जाएंगे। चूंकि सत्र की अवधि केवल 5 दिन रखी गई है, इसलिए विपक्ष की ओर से सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग भी उठ सकती है।

जनसेवा ही प्रशासनिक सेवा का सर्वोच्च उद्देश्य : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

संवेदनशीलता, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का करें निर्वहन : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने की मुलाकात

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, निमोरा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन प्रशिक्षु अधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कि प्रशासनिक सेवा जनसेवा का सबसे प्रभावी माध्यम है और प्रशासनिक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी के निर्णय हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं, इसलिए प्रत्येक निर्णय में जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे संवेदनशीलता, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसका उपयोग समाज और आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है। यहां के लोग सरल, सहज, मेहनती और आत्मीय स्वभाव के हैं। उन्होंने अधिकारियों को

प्रदेश की सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों, तेजी से विकसित हो रही कनेक्टिविटी, पर्यटन की संभावनाओं, नक्सल उन्मूलन की सफलता तथा राज्य के विकास की यात्रा से अवगत कराया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विविधता, जनजातीय परंपराओं और विकास के नए अवसरों पर भी अपने अनुभव साझा किए।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों को कहा कि ईमानदारी, निष्ठा और जनहित की भावना से लिया गया प्रत्येक निर्णय प्रदेश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिलों सहित सरगुजा संभाग के जशपुर, सरगुजा और कोरिया जिलों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनजीवन, संस्कृति, विकास गतिविधियों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया तथा मां दंतेश्वरी के दर्शन भी किए।

अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विविधताओं, सांस्कृतिक समृद्धि और आत्मीयता से भरपूर प्रदेश है। यहां के लोगों के स्नेह, जनजातीय परंपराओं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की संभावनाओं ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवा के माध्यम से जनहित में कार्य करना उनके लिए गौरव और जिम्मेदारी दोनों है।मुलाकात के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशासनिक सेवा की तैयारी से जुड़े अनुभव, चुनौतियां और प्रेरणादायक प्रसंग भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्हें निरंतर सीखते रहने, जमीनी स्तर से जुड़े रहने तथा मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर कार्य करने की प्रेरणा दी।उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी गोकुल आर. के., वी. यशवंत नायक एवं ईशांत जायसवाल वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी, निमोरा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। तीनों अधिकारियों को छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित हुआ है।

चलती कार में लगी भीषण आग, परिवार के तीन लोगों ने कूदकर बचाई जान

भिलाई/दुर्ग,(आरएनएस)। दुर्ग जिले में बायपास रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। कार में सवार एक ही परिवार के तीन लोगों ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार के तीन सदस्य कार से बायपास रोड होते हुए दुर्ग की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अचानक वाहन में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने कार के अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति को भांपते हुए कार में सवार सभी लोग तुरंत बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। आग लगने के कारण कार का सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार के अगले हिस्से से ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दे रहा है। सड़क किनारे बड़ी संख्या में लोग जमा होकर घटना को देखते नजर आए।

फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की पड़ताल में जुटे हुए हैं।

12 साल बाद निगम का बड़ा एक्शनः ईडब्ल्यूएस भूमि से मदरसा और अन्य अतिक्रमण हटाए गए

भिलाई,(आरएनएस)। धार्मिक संस्थाओं और अन्य निर्माणों के नाम पर ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए आरक्षित भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के खिलाफ भिलाई नगर निगम ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अयप्पा नगर स्थित आनंद विहार और उल्लासनगर क्षेत्र में करीब सवा एकड़ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। इस दौरान मदरसा, बाउंड्री वॉल समेत अन्य अवैध निर्माणों को बुलडोजर से हटाया गया।

निगम प्रशासन के अनुसार यह भूमि कॉलोनी विकास के दौरान ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 15 प्रतिशत आरक्षित छोड़ी गई थी। आरोप है कि वर्षों पहले इस जमीन पर कब्जा कर मदरसा और अन्य निर्माण कर लिए गए थे। वहीं शिव पब्लिक स्कूल द्वारा भी बाउंड्री वॉल का निर्माण कर जमीन पर अतिक्रमण किया गया था।

नए शिक्षा सत्र का उत्साहपूर्ण आगाज,पुष्पमाला, तिलक और गुलाल से हुआ अभिनंदन

रायगढ़,(आरएनएस)। रायगढ़ जिले में आज नए शिक्षा सत्र 2026-27 का शुभारंभ शाला प्रवेश उत्सव के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। अवकाश के बाद जैसे ही विद्यालयों के द्वार खुले, बच्चों की चहल-पहल और किलकारियों से स्कूल परिसर गुलजार हो उठे।जिले के शासकीय विद्यालयों में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का पुष्पमाला पहनाकर, तिलक एवं गुलाल लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यालयों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पहले ही दिन बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनत्व और उत्साह का वातावरण दिखाई दिया।शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में जनप्रतिनिधियों, पालकों, शाला विकास समितियों के सदस्यों तथा स्थानीय गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय सहभागिता रही। उपस्थित अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। कई विद्यालयों में स्वागत गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेरणादायी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।इस

दौरान विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकों एवं गणवेश का वितरण किया गया, जिससे वे नए सत्र की पढ़ाई प्रारंभ कर सकें। बच्चों के चेहरों पर नए सत्र, नई किताबों और नए सपनों को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यालयों में शिक्षकों ने विद्यार्थियों से परिचयात्मक संवाद कर उन्हें सहज और प्रेरक वातावरण उपलब्ध कराया।27 जून तक चलने वाले शाला प्रवेश उत्सव के माध्यम से जिले में प्रवेश योग्य प्रत्येक बच्चे का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने, विद्यालय से दूर बच्चों को पुन: शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने तथा नियमित उपस्थिति को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की गई है। प्रथम दिवस पर विद्यालयों में विद्यार्थियों की उत्साहजनक उपस्थिति दर्ज की गई।

जिला प्रशासन ने पालकों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे प्रत्येक बच्चे की नियमित शिक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करें, ताकि जिले का कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे और शाला प्रवेश उत्सव जनभागीदारी का प्रभावी अभियान बन सके।

जूता-चप्पल की आड़ में चल रहा था शराब का धंधा, अंजोरा पुलिस ने आरोपी को दबोचा

दुर्ग, (आरएनएस)। अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अंजोरा पुलिस ने जूता-चप्पल बिक्री की आड़ में शराब बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 30 पव्वा देसी मसाला शराब और नकद बिक्री राशि बरामद की है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चौकी अंजोरा थाना पुलगांव को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम थनोद से रसमड़ा मार्ग पर एक व्यक्ति जूता-चप्पल बेचने के नाम पर अवैध रूप से मसाला शराब का कारोबार कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर आरोपी धुरवाराम बारिया (55 वर्ष) निवासी ग्राम थनोद को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 30 नग देसी मसाला शराब पव्वा (कुल 5.400 बल्क लीटर) तथा बिक्री से प्राप्त 300 रुपये नकद बरामद किए गए। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 3 हजार रुपये बताई गई है।

बारिश से पहले नगर पालिका की कार्रवाई, जर्जर मकानों को किया जमींदोज

दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए दी चेतावनी, भवन मालिकों से तत्काल मरम्मत कराने की अपील

सीहोर(निप्र)। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए नगर पालिका ने नगर में जनसुरक्षा के मद्देनजर जर्जर एवं खतरनाक भवनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में चिन्हित किए गए जर्जर मकानों को नगर पालिका अमले द्वारा जमींदोज किया गया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने भवन स्वामियों को आवश्यक निर्देश देते हुए सुरक्षा मानकों का पालन करने की चेतावनी भी दी। इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर पालिका के प्रभारी राजस्व अधिकारी संजय शुक्ला ने बताया कि नगर पालिका सीएमओ सुधीर सिंह के निर्देश पर बारिश के पूर्व यह कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में नगर के चरखा लाइन में एक मकान क्षतिग्रस्त होने के कारण बुजुर्ग महिला मृतक हो गई थी, वहीं अनेक मकान शहर में जर्जर है। इसको लेकर हाउसिंग बोर्ड में एक दर्जन जर्जर मकानों पर नगर पालिका सहायक यंत्री विजय कोली और वैभव लोवनिया, अतिक्रमण प्रभारी तिलक वर्मा आदि मौजूद थे।

राजस्व प्रभारी श्री शुक्ला ने कहाकि बरसात के दौरान पुराने एवं क्षतिग्रस्त मकानों के गिरने की आशंका बनी रहती है, जिससे जनहानि और संपत्ति को नुकसान पहुंच सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए तकनीकी निरीक्षण के बाद अत्यधिक जर्जर एवं खतरनाक घोषित भवनों पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नगर पालिका की टीम अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि जिन भवनों की स्थिति कमजोर है, उनके मालिकों को पूर्व में नोटिस जारी कर आवश्यक मरम्मत अथवा भवन हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयावधि के बाद भी सुधार नहीं होने पर यह कार्रवाई की गई। नगर पालिका ने नागरिकों से अपील

की है कि यदि उनके आसपास कोई भवन जर्जर अवस्था में है तो उसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। साथ ही भवन मालिकों से कहा गया है कि वे अपने पुराने एवं क्षतिग्रस्त मकानों की समय रहते मरम्मत कराएं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

नागरिकों की सुरक्षा नगर पालिका की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बारिश के मौसम में किसी भी प्रकार की दुर्घटना को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं और आगे भी ऐसे भवनों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

कुबेरेश्वरधाम पर उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

सच्चे मन से की गई शिव आराधना कभी व्यर्थ नहीं जाती-अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा

सीहोर(निप्र) हर साल की तरह इस साल भी शहर का नाम विश्व पटल पर रोशन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का जन्मोत्सव जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर सुबह दस बजे धाम पर पहुंचे पंडित श्री मिश्रा के मार्गदर्शन में हजारों की संख्या में आए श्रद्धालुओं ने बाबा की आरती की और उसके पश्चात अपने प्रवचन में कहा कि भगवान शिव ऐसे देव हैं जो अपने भक्तों का सदैव कल्याण करते हैं। सच्चे मन से की गई शिव आराधना कभी व्यर्थ नहीं जाती और महादेव अपने भक्तों के जीवन से दुख, संकट और बाधाओं को दूर कर सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करते हैं। भगवान शिव को भोलेनाथ इसलिए कहा जाता है क्योंकि वे अपने भक्तों की छोटी-सी भक्ति से भी प्रसन्न हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भगवान का जाप करता है, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आने लगते हैं और महादेव की कृपा सदैव बनी रहती है।

स्व. कमलेश कुमार मालवीय की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित, 90 यूनिट किया रक्तदान,मानव सेवा का दिया संदेश

सीहोर (निप्र)। स्वर्गीय श्री कमलेश कुमार मालवीय की पावन स्मृति में 16 जून 2026 को जिला चिकित्सालय सीहोर स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 90 यूनिट रक्तदान किया गया । वर्ष 2004 से निरंतर आयोजित हो रहा यह शिविर मानव सेवा, समाज कल्याण और जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और समाजसेवियों ने सहभागिता कर रक्तदान किया तथा मानवता की सेवा का संदेश दिया।इस अवसर पर समाजसेवी श्रीमती अरुणा सुदेश राय मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से नियमित रूप से रक्तदान करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, भाजपा जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, सी.एस. उमेश श्रीवास्तव, डॉ. नवीन मेहर, डॉ. हितेश शर्मा, डॉ. हरिओम गुप्ता, सतीश भार्गव, हरीश नेहलानी, योगेश उपाध्याय, पलमेन्द्र कलमोर, कृष्णा, वरुण शर्मा, राजेश मांजी, मोनू विश्वकर्मा, लखन ठाकुर, गौरव यादव, शिवराज, तनु, भूपेंद्र, आशीष, बाबन, राहुल, योगेश, कपिल, अनिल, अमित, गोलू, अश्वनी एवं मोंटी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुहर्रम त्योहार कमेटी की कमान आज़म लाला को, दूल्हा बादशाह दरगाह पर सर्वसम्मति से हुआ चयन

उस्तादों, खलीफाओं और समाज के वरिष्ठजनों ने जताया विश्वास, आज़म लाला को सौंपी अध्यक्ष की जिम्मेदारी

सीहोर(निप्र)। आगामी मुहर्रम पर्व की तैयारियों को लेकर दूल्हा बादशाह दरगाह परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर के विभिन्न अखाड़ों, ताजिया कमेटियों के उस्ताद, खलीफा, समाज के वरिष्ठजन एवं मुस्लिम त्योहार कमेटी के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक में मुहर्रम पर्व की तैयारियों, अखाड़ों एवं ताजियों की व्यवस्थाओं तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सभी समाजजनों ने सर्वसम्मति से आज़म लाला को मुहर्रम त्योहार कमेटी, सीहोर का अध्यक्ष मनोनीत किया। उनके मनोनयन पर उपस्थित लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

अध्यक्ष मनोनीत होने के पश्चात आज़म लाला का उपस्थित समाजजनों एवं कमेटी के सदस्यों द्वारा पगड़ी बांधकर एवं फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सभी ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की। वहीं कमेटी में रफीक भाई (मछली पुल) एवं बिट्टू खां को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में संरक्षक के रूप में अफजल पठान, मुन्ना भाई साइकिल वाले, दिनेश कुमार मिश्रा, बजरिया वाले रफीक उस्ताद, जमशेद पहलवान, अनु चौधरी, अतहर अहमद एवं साजिद पठान उपस्थित रहे। वहीं मुस्लिम त्योहार कमेटी के अध्यक्ष अंसार पठान, एजाज भाई, शब्बू पहलवान, माजिद भाई, रवि पांडे, अमन लाला, रफीक भाई उस्ताद (मोहम्मदी अखाड़ा), मोहम्मद नेता ताहिर, चुम्मा भाई ताजिए वाले, हाशिम बाबा दरगाह खादिम, अबरार भाई ताजिए वाले, अमान खान, रोहन राजपूत, सकेत शर्मा, अब्दुल्ला मियां, जैद पठान, अरमान पठान एवं शकील तूफानी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

इसके अलावा कस्बे एवं छावनी क्षेत्र के सभी प्रमुख अखाड़ों के उस्ताद, खलीफा एवं ताजिया कमेटियों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया और मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं भाईचारे के साथ संपन्न कराने का संकल्प लिया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष आज़म लाला ने सभी वरिष्ठजनों, उस्तादों, खलीफाओं एवं समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी को साथ लेकर मुहर्रम पर्व की व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संचालित करने का प्रयास करेंगे तथा समाज के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

खेत में जबरन बना रहे है दंबग रास्ता

पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मांगी मदद

सीहोर(निप्र)। खेत में जबरन रास्ता बनाने का आरोप मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर महिला फरियादी के द्वारा लगाया गया है। पीड़ित परिवार ने सभी सरकारी दफतरों में सबूतों के साथ अर्जी लगाई है लेकिन कोई सुनने को तैयार नही है। सीवन नदी के किनारे से निकले पुराने सरकारी रास्ते को जानबूझकर बंद कर दिया गया है।

कलेक्ट्रेट पहुंची वृद्धा कमला कुशवाह ने बताया कि पुराने सरकारी रास्ते को बंद कर अर्वतिपुरा खसरा नं. 35/3 की कृषि भूमि से रास्ता निकाने की कोशिश की जा रही है। खेत में मुर्म चूरी डलवा कर पक्का बनवाया जा रहा है। जबकी राजस्व न्यायालय ने 9/1/2/1 पर रास्ता बनाने के निर्देश पारित किया है यह भूमि जगदीश कुशवाहा की है। फरियादी कमला बाई की फसलों को भी दबंगों के द्वारा काफी नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

जनकल्याण अभियान की समीक्षा में कलेक्टर सख्त, विभागीय अधिकारियों को लगाई फटकार

कलेक्टर की अध्यक्षता में टीएल बैठक आयोजित

सीहोर(निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर बालागुरू के.ने जनकल्याण अभियान के अंतर्गत जिले में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के विभागवार पंजीयन एवं निराकरण की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान विभिन्न विभागों की प्रगति का परीक्षण किया गया। कलेक्टर ने पाया कि कुछ विभागों द्वारा आवेदनों के पंजीयन और निराकरण में अपेक्षित प्रगति नहीं की गई है। इस पर उन्होंने मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी (एमपीईबी), उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित करें तथा अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करें। कलेक्टर ने कहा कि जनकल्याण अभियान का उद्देश्य आमजन को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है। कलेक्टर ने जल गंगा अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को अधिक से अधिक पौधरोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से अभियान के अंतर्गत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाए। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पौधरोपण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखरेख सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि पौधों के जीवित रहने की दर पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर बालागुरू के. ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली समयबद्ध सेवाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों से प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम का उद्देश्य नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं समय पर उपलब्ध कराना है। इसलिए सभी विभाग आवेदन प्राप्त होने के बाद उनकी नियमित मॉनिटरिंग करें तथा तय समयावधि में उनका निराकरण करें।

सेवनिया सरपंच के भाई पर मारपीट का आरोप, कार्रवाई के लिए एसपी से ग्रामीणों ने लगाई गुहार

एसपी मैडम की दरियादिली, तुरंत टीआई को बुलवाया एसपी ऑफिस, पीड़ित का करवाया मेडिकल

सीहोर(निप्र)। जिले के नजदीकी सेवनिया गांव के बबलू मेवाड़ा के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। जिसके बाद पीड़ित और ग्रामीणों ने एसपी से कार्रवाई की मांग की है। बब्लू मेवाड़ा पिता जसमत का आरोप है कि हमारी निजी जमीन में से सरपंच राजेश विश्वकर्मा और उसका भाई विनोद विश्वकर्मा रास्ता मांग रहे है। सरपंच, सरपंच के भाई का कहना है कि हम इस पर रोड बनाएंगे। जब हमने मना किया तो हमें मारने की धमकी देने लगे थे और मेरे खिलाफ मेरे खेत से नहीं निकलने देने की झूठी रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जब मंडी थाने से फोन आया कि आप थाने आ जाओ तो मैं मेरे पिताजी और भाई के साथ मंडी थाने पहुंचा। जब मैं घर वापस आ रहा था तो पिताजी और भाई दुकान पर चले गए थे। मुझे अकेला देख सरपंच का भाई विनोद विश्वकर्मा और उसका साथी जिसे मैं जानता नहीं हूं ने मेरे साथ मारपीट की। इसके बाद मैंने अपने पिताजी और भाईयों और ग्रामीणों को मेरे साथ मारपीट होने की सूचना दी। जिसके बाद मेरे परिजन और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी सोनाक्षी सक्सेना जी से मिले। उन्होंने हमारी सुनवाई कर तुरंत मंडी टीआई को एसपी कार्यालय बुलाया। जिसके बाद मंडी टीआई की जगह एक पुलिसकर्मी आए तो एसपी मैडम ने कहा मैंने टीआई को बुलाया था आप टीआई को ही भेजिए। इसके बाद मंडी टीआई स्वयं एसपी ऑफिस पहुंचे और बब्लू मेवाड़ा का मेडिकल करवाया। इस बीच आरोपी बब्लू मेवाड़ा को फोन कर रहा था तभी पीड़ित बब्लू मेवाड़ा ने एसपी ऑफिस के बाहर टीआई के सामने आरोपी का फोन उठाया तो उसने काट दिया। इसके बाद टीआई मेडिकल के लिए बब्लू को जिला अस्पताल ले गए जहां उनका मेडिकल करवाया गया। इसके बाद थाने ले जाकर शिकायत दर्ज करवाई। बड़ी संख्या में थाने पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

चार धाम,वैष्णो देवी यात्रा से लौटे यात्रियों का बैरागी परिवार ने स्वागत सम्मान किया

आष्टा (राकेश बैरागी)। नगर में चारों धाम से लौटे यात्रियों का एवं वैष्णो देवी माता के दरबार से लौटे यात्रियों का बैरागी परिवार द्वारा स्वागत सम्मान किया गया जिस्म की कई लोग उपस्थित रहे सर्वप्रथम शाम को सुंदरकांड सुबह कथा एवं दिन में भोजन प्रसादी का आयोजन रखा मुख्य अतिथि के रूप में पंडित अमित तिवारी जी संतोष शर्मा सर अध्यक्ष आर्मी संगठन राजश्री कॉलेज के भीम सिंह परमार डायरेक्टर नसरुल्लागंज से विष्णु दास जी सचिव समाजसेवी इछावर से वैष्णो बैरागी समाज के अध्यक्ष सतीश वैष्णव मां वैष्णवी नगर के प्रोपराइटर वीरेन राठौर कैलाश जैन महामंत्री दिगंबर जैन समाज सकल समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा सर्वप्रथम दीप प्रोजेक्ट कर प्रोग्राम को प्रेस क्लब के अध्यक्ष बाबू पांचाल एवं उनकी टीम ने भी सभी का स्वागत किया संचालित किया वही लव कुश ने सर्वप्रथम भजन से प्रोग्राम का प्रारंभ कर राकेश बैरागी परिवार द्वारा सभी का सम्मान एवं जितने भी यात्री वैष्णो देवी एवं चार धाम की यात्रा कर लौटे उनका सम्मान कर उनका अभिनंदन किया।

किसानों को आपस में लड़ा रहा है सेटेलाईट सीमांकन बंटवारा राजस्व नक्शों में गड़बड़ी कराने के लगाए आरोप

सीहोर(निप्र)। खामलिया नरेला के किसानों ने आठ सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। नारेबाजी कर प्रदर्शन कर रहे किसानों का नेतृत्व करणी युवा सेना के जिलाध्यक्ष किसान कुलदीप सिंह राजपूत ने किया। तहसीलदार अमित सिंह को दिए ज्ञापन में कहा गया कि किसानों को आपस में सेटेलाईट सीमांकन लड़ा रहा है। किसानों की जमीनों को अदला बदला जा रही है। राजस्व रिकार्ड और पूराने जमीनों के नक् शों में फेर बदल किया जा रहा है। खसरा नम्बरों में अदला बदली कर किसानों की कीमती जमीनों को हड़पने की साजिश की जा रही है। गांवों में खतरनाक विवाद, तनाव एवं सामाजिक अशांति की स्थिति बन रही है। किसान कुलदीप सिंह राजपूत ने बंटवारा राजस्व नक्शों में गड़बड़ी कराने के आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान में भूमि नक्शा एवं राजस्व रिकॉर्ड मौके की बास्तविक स्थिति से अत्यधिक भित्र त्रुटिपूर्ण है। गांव की अधिकांश भूमि का रिकॉर्ड मौके पर मेल नहीं खाता है। पूर्व में गांव के आसपास स्थायी सीमा चिन्ह बांदा/मिनारा एवं जरीब के माध्यम से बनाए गए थे। किन्तु अब सेटेलाईट के नक्शा शीट पुराने मैनुअल नक्शों से मेल नहीं खा रही है। जिसके कारण अधिकतर किसागों की भूमि एक-दूसरे के खेतों में दर्शाई जा रही है। जिसके कारण ग्राम में लगातार विवाद, तनाव एवं सामाजिक अशांति की स्थिति वनी हुई है।किसानों की मांग है कि ग्राम खामलिया एवं नरेला में चल रही गलत एवं विवादित व्यक्तिगत भूमि नपती पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए। पुराने मैनुअल नक्शों एवं वर्तमान नक्शा शीट का तकनीकी मिलान कराया जाए। स्थायी सीमा चिन्हों पुराने चिन्ह मिनारा चांदा के आधार पर पुन: निष्पक्ष सर्व्रे एवं बंदोबस्त कराया जाए।जो व्यक्ति वर्षो से जिस भूमि पर काबिज रहता है अथवा खेती कर रहा है, उसकी वास्तविक कब्जा स्थिति को आधार मानकर नियमानुसार स्थायी समाधान किया जाए। राजस्व अधिकारियों एवं पटवारी को रिकॉर्ड सत्यापन किया जाए, उसके पश्चात ही सीमांकन की कार्यवाही की जाए। जिन परिवारों के पास आज तक आवासीय पट्टा नहीं है जो वर्षों से गांव में निवासरत हैं, उन्हें नियमानुसार आवासीय पट्टे प्रदान किए जाएं।

हड़ताल पर आशा उषा कार्यकर्ता करेंगी अब हल्ला बोल आंदोलन

लंबित है अनेक मांगे,ना परमानेंट,ना अच्छी सैलरी, 24 घंटे काम, मातृ एवं शिशु टीकाकरण डिलीवरी अन्य काम ठप

सीहोर(निप्र)। हड़ताल पर चल रही आशा उषा कार्यकर्ता अब हल्ला बोल आंदोलन करेंगी। जिले भर की आशा उषा कार्यकर्ता मंगलवार को टाउनहाल के पास एकात्रित हुई। इधर आशा उषा की हड़ताल से स्वास्थ्य विभाग के कार्य पर बहुत गहरा असर पड़ रहा है मातृ एवं शिशु टीकाकरण डिलीवरी अन्य काम ठप हो गए है।

फूल नहीं चिंगारी है हम भारत की नारी के नारों के साथ आशा उषा कार्यकर्ता ने लंबित है अनेक मांगों को लेकर आंदोलन की रणनीति तैयार की। आशा उषा महिला संगठन प्रदेश अध्यक्ष नर्मदा ठाकरे के निर्देश पर जिलाध्यक्ष सीमा चौहान ने आंदोलन का आहवान किया। आशा उषा महिला संगठन जिला कोषाध्यक्ष मीना राठौर ने मांगों का वाचन किया। जिला उपाध्यक्ष सरिता विश्वकर्मा ने पूर्व में सरकार के द्वारा किए गए वादों से आशा उषा कार्यकर्ताओं को अवगत कराया।

आशा उषा महिला संगठन प्रवक्ता संगीता यादव ने कहा कि सरकार के दोगले रवैया से हम परेशान है आशा उषा कार्यकर्ता विकट

परिस्थितियों में भी 24 घंटे सरकार और जनता के लिए काम करती है। फिर भी सरकार आशा उषा कार्यकर्ताओं को नियमित कर्मचारी नहीं मानती है अच्छी सैलरी भी नहीं देती है अनेक मांगे लंबित है लेकिन सरकार सुनने को तैयार नहीं है इस लिए हम हड़ताल करने पर विवश हुए है। हमारे द्वारा किए गए कई धरना प्रदर्शन ज्ञापन के बाद भी नियमितिकरण और वेतन बढोतरी नहीं की जा रही है। यही नहीं केंद्र सरकार प्रति वर्ष एक हजार रूपये सैलरी बढ़ाने के वादं को भी पूरा नहीं कर रही है। जिलाध्यक्ष सीमा चौहान नेराष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत ग्रामीण एवं शहरी आशा कार्यकर्ता को प्रोत्साहन नहीं दिया जा रहा है। जबकी मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु दर में कमी संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना टीकाकरण परिवार नियोजन कुपोषण नियंत्रण संक्रामक रोग रोकथाम तथा सरकार के द्वारा संचालित प्रत्येक राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में आशा एवं उषा कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण एवं निर्णायक होती है। इस के बाद भी आशा उषा कार्यकर्ता न्यूनतम वेतन नियमित कारण मानदेय पेंशन ग्रेविटी सामाजिक सुरक्षा एवं सुरक्षित कार्य वातावरण जैसी बुनियादी अधिकार से वंचित है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com